राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,22सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –236 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानपुर एनकाउंटर की चार्जशीट तैयार, विकास दुबे समेत 42 लोगों के नाम शामिल

कानपुर। कानपुर के पास बिकरू गांव में 2-3 जुलाई की रात हुई आठ पुलिसकर्मियों की हत्या मामले की चार्जशीट लगभग तैयार हो चुकी है। पुलिस आरोप पत्र दाखिल करने से पहले विधिक मंथन कर रही है। इसे अगले हफ्ते तक कोर्ट में दाखिल किया जा सकता है।

विवेचक ने घटना में 42 लोगों को आरोपी ठहराया है। चौबेपुर के बिकरू गांव में दो जुलाई की रात दबिश देने गई पुलिस टीम पर कुख्यात अपराधी विकास गैंग अपनी टीम के साथ ने हमला बोला था। इसमें सीओ समेत 8 पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। पुलिस ने चौबेपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। नामजद आरोपियों में विकास समेत छह लोग मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। पुलिस ने विवेचना पूरी कर ली है और आरोप पत्र भी तैयार कर लिया है। नामजद आरोपियों के अलावा विवेचना में शामिल लोगों के खिलाफ साक्ष्य जुटाए हैं। साक्ष्यों के साथ चार्जशीट तैयार की गई है।

विकास का गैंग और बड़ा हुआ

पुलिस ने चौबेपुर थाने में पंजीकृत विकास की गैंग में कुछ नए चेहरों को शामिल किया है। तत्कालीन एसएसपी अखिलेश मीणा ने विकास और उसके एक दर्जन से ज्यादा लोगों को मिलाकर डी 124 गिरोह पंजीकृत कराया था। एसपी ग्रामीण के मुताबिक पहले से पंजीकृत गैंग का दोबारा रिव्यू किया गया है। इसमें बिकरू कांड के उन आरोपियों को भी शामिल किया गया है जिनके नाम पहले से गैंग में शामिल नहीं थे।

चार्जशीट अभी प्रक्रिया में है। कोर्ट में दाखिल करने से पहले उसकी समीक्षा होगी। चार्जशीट के रिव्यू में वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मदद ली जाएगी।

- एसपी ग्रामीण ब्रजेश श्रीवास्तव

विश्व में सबसे अधिक भारत में ठीक हुए 43 लाख से ज्यादा कोरोना पीड़ित

नई दिल्ली। कोरोना केब बाद स्वास्थ होने के मामले में भारत दुनिया में शीर्ष स्थान पर काबिज है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि 43 लाख से ज्यादा लोग अब तक ठीक हो चुके है। भारत की ठीक होने वालों का संख्या कुल वैश्विक रिकवरी का 19% हिस्सा है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. हर्षवर्द्धन ने रविवार को कहा कि देश में कोविड-19 रोधी टीके के विकास का काम प्रगति पर है लेकिन जब तक यह नहीं आता है तब तक दो गज दूरी सहित सामाजिक व्यवहार ही टीका है। लोकसभा में नियम 193 के तहत कोविड-19 वैश्विक महामारी पर हुई चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए हर्षवर्द्धन ने कहा कि दुनिया में कोविड-19 रोधी 145 टीका प्री क्लिनिकल मूल्यांकन के स्तर पर हैं और इसमें से 35 का क्लिनिकल ट्रायल चल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में 30 टीकों के लिये समर्थन दिया गया है जो विकास के विभिन्न स्तरों पर हैं । इसमें से 3 वैक्सीन ट्रायल के प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण में हैं । चार टीके प्री क्लिनिकल मूल्यांकन के उन्नत चरण में हैं । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, टीके के विकास का काम प्रगति पर है लेकिन जब तक यह नहीं आता है तब तक दो गज दूरी सहित सामाजिक व्यवहार ही टीका है।

हर्षवर्द्धन ने कहा कि वायरस के शोध की दिशा में 2000 से ज्यादा वायरसों की जीनोम श्रृंखला तैयार की गई है । इसके अलावा 40 हजार वायरसों के नमूनों का निक्षेपागार बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 110 प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन दिया गया है। हर्षवर्धन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन लगाने के सरकार के साहसिक फैसले को लागू करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर लोगों द्वारा जनता कर्फ्यू का पालन करना इस बात का प्रमाण है कि भारत इस महामारी के खिलाफ मिलकर खड़ा रहा। उन्होंने कहा, एक समय था जब पीपीई किट का स्वदेशी उत्पादन नहीं हो रहा था। आज इस दिशा में आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि आज प्रतिदिन 10 लाख से ज्याद किट रोज बनाने की क्षमता हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लॉकडाउन की अवधि का ठीक से उपयोग किया गया है और इस दौरान राज्यों को समर्थन भी दिया गया । उन्होंने कहा कि 17 हजार समर्पित कोविड केंद्र बनाएं गए, 1773 कोविड जांच केंद्र बन गए। हर्षवर्द्धन ने कहा कि देश में 6.37 करोड़ कोविड-19 जांच हो चुके हैं । आज भी 12 लाख टेस्ट हुए हैं ।

चीन से तनातनी के बीच भारतीय वायुसेना की चाक-चौबंद तैयारी, लद्दाख में राफेल और मिराज ने भरी उड़ान

नई दिल्ली। चीन से तनातनी के बीच भारतीय वायुसेना ने भी अपनी तैयारियों को चाक-चौबंद कर दिया है। हाल में वायुसेना में शामिल हुए राफेल विमान भी लद्दाख में उड़ान भर रहे हैं। वायुसेना सुखोई एवं मिराज विमानों को वहां पहले से ही तैनात कर चुकी है।

सूत्रों के अनुसार राफेल विमानों ने लद्दाख के आसपास के क्षेत्रों में रविवार को भी उड़ान भरी हैं। सरकारी सूत्रों ने भी इस बात की पुष्टि की है। कुछ मिराज विमान भी उड़ान भरते देखे गए हैं। वायुसेना ने विगत 10 सितंबर को अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में राफेल विमानों को वायुसेना में शामिल किया था। इससे पूर्व जुलाई के आखिर में फ्रांस से पांच राफेल विमान अंबाला पहुंचे थे।

राफेल विमान जब वायुसेना में शामिल किए गए थे, तब वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने कहा था कि उन्हें सही वक्त पर वायुसेना में शामिल किया गया है। ये वायुसेना की ताकत में इजाफा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि गोल्डन एरोज (राफेल स्वाड्रन) को जहां भी तैनात किया जाएगा, वह हमेशा दुश्मन पर भारी पड़ेंगे। बीच में खबरें आई थीं कि चीन ने तिब्बत के क्षेत्र में पड़ने वाले कई हवाई अड्डों पर लड़ाकू विमानों की तैनाती की है, जिसके चलते भारत के लिए भी इस प्रकार का कदम उठाना जरूरी है। पिछले दिनों वायुसेना प्रमुख ने भी एलएसी के करीब स्थित वायुसेना केंद्रों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया था।

भारत और चीन की सेनाओं के बीच कोर कमांडरों की छठे दौर की बातचीत मोल्डो में होने जा रही है।

इसमें मुख्य रूप से पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के सौनिकों को पीछे हटाना और तनाव घटाने पर बनी पांच सूत्री सहमति के क्रियान्वयन पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से चीन की ओर मोल्डो में सुबह 9 बजे यह वार्ता शुरू होने वाली है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पहली बार विदेश मंत्रालय से एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी के इसमें हिस्सा होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि भारत इस वार्ता में कुछ ठोस नतीजे निकलने की उम्मीद कर रहा है।

भारतीय सेना लद्दाख में 20 ऊंची चोटियों पर काबिज

भारतीय सेना पिछले कुछ वक्त में पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के निकट टकराव वाले क्षेत्रों के आसपास 20 ऊंची पहाड़ियों पर अपना कब्जा जमा चुकी है। सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। चीन और भारत के बीच सोमवार को कोर कमांडर स्तर की छठवें दौर की वार्ता के पहले भारत की इस सामरिक बढ़त को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत ने बर्फीले मौसम के बीच चुशूल के इलाके में भी पिछले कुछ दिनों से अपनी मौजूदगी बढ़ाई है, ताकि अपना प्रभुत्व कायम रखा जा सके। सूत्रों का कहना है कि सेना ने लद्दाख के सभी अग्रिम मोर्चों और संवेदनशील ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान सैनिकों की मौजूदा संख्या और हथियार बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम कर लिए हैं। सर्दियों में यहां तापमान शून्य से 25 डिग्री तक नीचे चला जाता है। भारत ने पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे पर सामरिक बढ़त वाली पहाड़ियों पर नियंत्रण के साथ फिंगर 2 और फिंगर 3 इलाके में सैन्य तैनाती और मजबूत की है। जबकि चीन ने फिंगर 4 से फिंगर 8 के बीच के इलाके पर नियंत्रण कर रखा है।

केरल के एर्नाकुलम की खदान में विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

एर्नाकुलम। सोमवार को एर्नाकुलम के मलयूर में एक खदान में विस्फोट होने से दो लोगों की मृत्यु हो गई है। यह हादसा आज तड़के सुबह साढ़े तीन बजे हुआ। पुलिस ने जानकारी दी है कि यह विस्फोट एक बिल्डिंग में हुआ है जहां चट्टानों को तोड़ने के लिए कुछ विस्फोटक सामान स्टोर करके रखा गया था। मृतक तमिलनाडु और कर्नाटक के रहने वाले हैं।

इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान पेरियानान और डी नागा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पेरियानान तमिलनाडु का रहने वाला है जबकि डी नागा कर्नाटक से है।

उत्तराखंड में सिलेंडर में लगी आग

उत्तराखंड के हल्द्वानी के दमुवाढूंगा में दो अलग-अलग मामलों में खाना बनाने के दौरान भड़की आग से छह लोग झुलस गए हैं। निजी अस्पताल व एसटीएच में उनका उपचार चल रहा है। जिसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। चौकी इंचार्ज देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि कुमाऊं कॉलोनी जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा निवासी जानकी देवी अपनी बहू स्वाती संग देर शाम खाना बना रही थी। इस बीच अचानक सिलेंडर से रिसाव हुआ और आग लग गई। पत्नी व मां को झुलसता देख बेटा सुरेंद्र बचाने को दौड़ पड़ा। जिस वजह से तीनों ही चपेट में आ गए। गंभीर हालत में तीनों को नैनीताल रोड स्थित अस्पताल में लाया गया है। सुरेंद्र की हालत ज्यादा गंभीर है। वहीं, दूसरा मामला दमुवाढूंगा तल्ला का है। याहां सुबह एक महिला खाना बनाने के लिए रसोई में पहुंची। इस बीच माचिस जलाते ही सिलेंडर में आग भड़क गई। निर्मला को बचाने के लिए पति दीवान लाल और 13 साल का बेटा सुनील भी भागकर पहुंचा। जिस वजह से तीनों आग की चपेट में आ गए। फिलहाल तीनों का उपचार एसटीएच में चल रहा है।

राज्यसभा के 8 सांसदों को सभापति ने पूरे सत्र के लिए किया सस्पेंड, उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज

नई दिल्ली। राज्यसभा में कृषि बिल पर चर्चा के दौरान रविवार को हंगामा और उपसभापति हरिवंश के साथ अमर्यादित आचरण करने वाले आठ सांसदों को बचे हुए सत्र के लिए सभापति वेंकैया नायडू ने निलंबित कर दिया है। निलंबित होने वाले सांसदों में डेरेक ओ ब्रायन, संजय सिंह, रिपुन बोरा, नजीर हुसैन, केके रागेश, ए करीम, राजीव साटव और डोला सेन हैं। इसके साथ ही सभापति ने उपसभापति के खिलाफ विपक्षी सांसदों की तरफ से लाया गया अविश?वास प्रस?ताव को नियमों के हिसाब से सही नहीं होने का हवाला देते हुए खारिज कर दिया। सभापति की इस कार्रवाई के बाद भी निलंबित सांसद सदन से नहीं निकले और हंगामा जारी रहा, जसकी वजह से सुबह से चार बार राज्यसभी की कार्यवाही स्थिगित हो चुकी है।

सभापति वेंकैया नायडू ने सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान कहा, ÷रविवार का दिन राज?यसभा के लिए बहुत खराब दिन था। कुछ सदस?य

सदन के वेल तक आ गए। उपसभापति के साथ धक?कामुक?की की गई और उनपर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। सांसदों ने पेपर को फेंका और माइक को तोड़ दिया। रूल बुक को फेंका गया।÷ उन्होंने कहा कि इस घटना से मैं बेहद दुखी हूं। नायडू ने कहा कि सदन की कार्यवाही के रिकार्ड के अनुसार उपसभापति ने सदस्यों को अपने स्थानों पर जाने और सदन में हंगामा नहीं करने तथा अपने संशोधन पेश करने के लिए बार- बार कहा था। नायडू के अनुसार, उपसभापति ने यह भी कहा था कि सदस्य अपने स्थानों पर लौट जाएं और उसके बाद वह मतविभाजन कराएंगे।

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पेश किया गया प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में नहीं है और इसके लिए जरूरी 14 दिनों के समय का भी पालन नहीं किया गया है। सभापति ने कहा कि कल हंगामे के दौरान सदस्यों का व्यवहार आपत्तिजनक और असंसदीय था। उन्होंने कहा कि कल का दिन राज्यसभा के लिए बहुत खराब दिन था। इस दौरान सदस्यों ने उपसभापति के साथ अमर्यादित आचरण भी किया। इस दौरान सदन में हंगामा जारी रहा और सरकार ने आठ विपक्षी सदस्यों को मौजूदा सत्र के शेष समय के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। निलंबित किए गए सदस्यों में तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन, कांगेस के राजीव साटव, सैयद नजीर हुसैन और रिपुन बोरा, आप के संजय सिंह, माकपा के केके रागेश और इलामारम करीम शामिल हैं। इस दौरान सदन में हंगामा जारी रहा और सभापति ने नौ बजकर करीब 40 मिनट पर बैठक 10 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद 10 बजे बैठक फिर शुरू होने पर सदन में विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा और उपसभापति हरिवंश ने निलंबित किए गए सदस्यों को सदन से बाहर जाने को कहा, लेकिन वे बाहर नहीं गए। हंगामे के बीच ही शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल %निशंक ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान विधियां (संशोधन) विधेयक, 2020 चर्चा के लिए पेश किया। सदन में हंगामा थमते नहीं देख उपसभापति हरिवंश ने 10 बजकर करीब पांच मिनट पर बैठक आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद बैठक फिर शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा और राज्यसभा की कार्यवाही साढ़े दस बजे फिर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। तीन बार के स्थगन के बाद बैठक फिर शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा और राज्यसभा की कार्यवाही 11 बजकर करीब 15 मिनट पर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

क्या युवाओं को सोशल मीडिया से आतंक के लिए उकसा रहे आंतकी संगठन, सक्रिय हुई एटीएस, कई संदिग्ध रडार पर

लखनऊ। पाकिस्तान प्रायोजित अल कायदा के मॉड्यूल का खुलासा होने के बाद यूपी एटीएस भी अलर्ट हो गई है। इस खुलासे से भी स्पष्ट हो गया कि सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को आतंक के रास्ते पर चलने के लिए उकसाया जा रहा है। इसके बाद एटीएस ने सोशल मीडिया पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। कई संदिग्ध उसके रडार पर भी हैं। सूत्रों के अनुसार, एटीएस लगातार राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के संपर्क में बनी हुई है। हालांकि पकड़े गए आतंकियों का अभी तक कोई यूपी 'कनेक्शन' नहीं मिला है। एनआईए ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के छह और दिल्ली के एर्णाकुलम से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला कि ये सभी दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कुछ अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर आतंकी हमला करने की फिराक में थे। एनसीआर में यूपी के भी सीमावर्ती जिले आते हैं। इस कारण पश्चिमी यूपी के सीमावर्ती जिलों में इन आतंकियों का 'कनेक्शन' होने की संभावना है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां इन जिलों में स्लीपर सेल की मौजूदगी से इनकार नहीं करती हैं। इन्हीं एजेंसियों के इनपुट पर नेपाल सीमा से लगे यूपी के जिलों में खास सतर्कता बरती जा रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली के धौलाकुंआ क्षेत्र से ही जिस आतंकी अबू युसूफ को गिरफ्तार किया था, वह बलरामपुर जिले के उतरौला क्षेत्र का रहने

वाला मुस्तकीम था। एटीएस ने पिछले दिनों बरेली से इनामुलहक और उसके संपर्क में रहे जम्मू-कश्मीर के दो युवाओं को गिरफ्तार किया था। इनामुलहक भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए अलकायदा से अपना संपर्क बनाने में लगा हुआ था। जांच एजेंसियों को इसके पुख्ता साक्ष्य मिल चुके हैं कि पाकिस्तान में स्थित अलकायदा के आतंकी सोशल मीडिया प्लेटफार्म का ही उपयोग करके ट्रेनिंग भी दे रहे हैं।

अखिल भारतीय किसान सभा ने कृषि विधेयक के विरोध में किया 25 को भारत बंद का आह्वान

पटना। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री नंद किशोर शुक्ला ने आरोप लगाया है कि किसानों की पैदावार लूटने की साजिश हो रही है। इसके खिलाफ 25 सितम्बर को देशव्यापी संघर्ष को भारतबंद का रूप दिया जाएगा।

उन्होंने कहा है कि बंद के बाद फिर 28 सितम्बर को भगत सिंह के जन्मदिन पर इस संघर्ष को अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। आरोप लगाया है कि सरकार ये तीनों विधेयक कानून बन जाने पर देश के किसानों और कृषि क्षेत्र को बर्बाद कर देगी। आम उपभोक्ताओं को भी जमाखोरों के हवाले कर देगी।

ट्रेड यूनियनों का 23 को देशभर में प्रदर्शन

बंद के बाद फिर 28 सितम्बर को भगत सिंह के जन्मदिन पर इस संघर्ष को अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। आरोप लगाया है कि सरकार ये तीनों विधेयक कानून बन जाने पर देश के किसानों और कृषि क्षेत्र को बर्बाद कर देगी।

पटना। देश के दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने श्रम कानूनों को समाप्त कर और बदले में चार कोड लागू करने के विरोध में 23 सिंतबर को देशभर में प्रदर्शन का एलान किया है। इसे व्यापक रूप से सफल बनाने को लेकर रविवार को अदालतगंज रोड स्थित केदार भवन में केंद्रीय ट्रेड यूनियन से जुड़े श्रमिक संघों का संयुक्त कन्वेंशन हुआ।

सीटू महासचिव गणेश शंकर सिंह ने कहा कि आजादी के दौर से लागू मजदूरों को प्राप्त 44 श्रम कनूनी अधिकार को खत्म कर चार कोड लाया गया। इसमें काम के घंटे आठ से बढ़ाकर 12 से 16 घंटे तक निर्धारित किया गया है। यह मजदूरों को पूरी तरह मालिकों का गुलाम बनाने का कानून है। फैक्ट्री एक्ट को बदला गया है। रेल को निजीकरण किया जा रहा है। बैंक,बीमा, कोयला, रक्षा क्षेत्र, बीपीसीएल, आईओसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों समेत देशी-विदेशी कॉरपोरेट घरानों को बेचा जा रहा है। उन्होंने इस पर अविलंब रोक लगाने की मांग की है। मौके पर ऐक्टू सचिव रणविजय कुमार, एआईएमयू नेता भैरव कुमार पंडित समेत अन्य शामिल थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सूर्य पर परिवर्तन

हमारे ब्रह्मांड में एक नए सौर चक्र का शुरू होना न केवल वैज्ञानिक, बल्कि धार्मिक-सामाजिक रूप से भी कौतूहल का विषय बन गया है। हर 11 वर्ष पर सौर चक्र बदलता है, हालांकि कई बार एक चक्र 14 वर्ष तक भी चलता है। अक्तूबर में जब सूर्य पर सौर कलंक नहीं उभर रहे थे, तब यह माना जा रहा था कि सौर चक्र वर्ष का समय बढ़ेगा, लेकिन अब नासा और भारत के भी वैज्ञानिकों ने मान लिया है कि सौर चक्र बदल चुका है। ऐसे में, दुनिया भर में सूर्य के प्रकार-व्यवहार की चर्चा स्वाभाविक ही बहुत बढ़ गई है। नासा और नेशनल ओशनिक ऐंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया है कि नया सौर चक्र पृथ्वी पर मानव जीवन में बदलाव ला सकता है। प्रत्यक्ष एहसास भले न हो, लेकिन यह सौर चक्र कमोबेश सभी को प्रभावित करेगा। जाहिर है, अंतरिक्ष विज्ञान और विकास पर भी इसका असर ज्यादा होगा। अनेक अंतरिक्ष विज्ञान एजेंसियां हैं, जो सूर्य पर होने वाली अजीबोगरीब गतिविधियों का विश्लेषण करती रहती हैं। सूर्य पर काले धब्बे, विस्फोट और तूफान को अलग-अलग ढंग से देखा और परखा जाता है। वैज्ञानिक इसे 25वां सौर चक्र बता रहे हैं। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि इस चक्र में ठंडा मौसम ज्यादा रह सकता है। वैसे तो यह नया सौर चक्र दिसंबर 2019 में ही शुरू हो गया था, लेकिन हमसे बहुत दूर विराजमान जटिल सूर्य की स्थिति को ठीक-ठीक समझने में कुछ महीने लग गए।

सूर्य के धरातल अर्थात प्रकाश मंडल पर आम तौर पर 6,000 डिग्री सेल्सियस तापमान रहता है, जबकि उस पर जो सौर कलंक होते हैं, वहां तापमान 1,500 डिग्री सेल्सियस से कम पाया जाता है। सूर्य के धरातल पर अपेक्षाकृत कम गरम स्थान ही सौर कलंक कहलाता है। सौर कलंक काले धब्बे की तरह सूर्य पर दिखता है। यह सौर कलंक कुछ घंटे से कुछ दिनों तक टिका रह सकता है, जब सूर्य की लपटों से इसका लोप होता है, तब कई बार सूर्य कण बहुत दूर तक छिटक आते हैं। संचार व विद्युतीय उपकरणों को प्रभावित करते हैं। इसलिए सूर्य पर निगाह रखना हमारे समय के अंतरिक्ष विज्ञानियों की मजबूरी भी है।

विगत तीन सौर चक्रों के बारे में यह कहा जाता है कि सूर्य पहले की तुलना में शांत पड़ रहा है। अभी हाल ही में सूर्य पर बड़ी सौर लपटें दिखाई पड़ी थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, सूर्य पर अब तेज सौर तूफान आ सकते हैं। वहां गतिविधियां तेज हो जाएंगी। अब वह आग की लपटें, तेज रोशनी, तेज ऊर्जा, सौर तत्व आदि अंतरिक्ष में प्रसारित करेगा। हालांकि इसे सामान्य प्रक्रिया माना जा रहा है। मोटे तौर पर अगर इस नए चक्र में सौर कलंक ज्यादा बने, तो पृथ्वी पर शीतलता बढ़ सकती है, लेकिन इसके साथ ही सौर लपटों की भी गुंजाइश बढ़ जाएगी और समग्रता में पृथ्वी व ब्रह्मांड पर क्या असर होगा, इसकी विस्तृत पड़ताल वैज्ञानिक कर रहे हैं। सूर्य के बारे में सुनिश्चित रूप से कुछ भी अनुमान लगाना कठिन है। सूर्य संबंधी दिलचस्प विज्ञान धीरे-धीरे रहस्यों को खोलता चला जा रहा है। सवाल कई हैं, क्या समय के साथ पिछले 9,000 साल में तारों और ग्रहों से निकलने वाली रोशनी कमजोर पड़ रही है? सूर्य का भविष्य क्या है? वह पृथ्वी पर तापमान को बढ़ाएगा या घटाएगा? सौर चक्र में बदलाव के साथ वैज्ञानिकों और छात्रों में सूर्य की सच्चाई जानने की ललक बेशक बढ़नी चाहिए।

साजिश बेपर्दा

पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी संगठन अल कायदा के निर्देश पर भारत में तबाही मचाने की साजिश का भंड़ाफोड़ भारत के लिए राहत की खबर है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को अलकायदा के बड़े नेटवर्क के पर्दाफाश किया है। एनआईए ने अलकायदा मॉड्यूल को लेकर केरल और पश्चिम बंगाल में छापेमारी की और 9 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अलकायदा को लेकर बिल्कुल नये मामलों में छापेमारी की गई है। ये छापेमारी केरल ने एर्नाकुलम और पश्चिम बंगाल के मुतशदाबाद में की गई है। बताया जा रहा है कि कई सुरक्षा प्रतिष्ठान इनके निशाने पर थे। अल कायदा के पाकिस्तान में बैठे आकाओं के निर्देश पर भारत में खूनखराबा करने की साजिश काफी पहले से बनाई जा रही थी। भारत की खुफिया एजेंसियां इस गतिविधि को लेकर चौकस थी। आतंकी संगठन का फोकस वैसे लोगों पर है, जो गरीब हैं और जिनके पास कोई काम नहीं है। इसकी तस्दीक इस बात से होती है कि गिरफ्तार अधिकतर लोगों की उम्र 20 वर्ष के आसपास है और सभी मजदूर हैं। पाकिस्तान अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार भारत को अस्थिर करने और यहां निर्दोष लोगों की हत्या की साजिश बुनता रहता है। चूंकि केरल और पश्चिम बंगाल में पहले भी इस तरह की आतंकी गतिविधियां होती रहीं हैं और कई आतंकवादी सुरक्षा बलों की गिरफ्त में भी आए हैं, लिहाजा यहां ज्यादा निगरानी और जागरूक रहने की जरूरत है। यहां की सरकार को भी ऐसे लोगों और उनकी हर गतिविधि पर नजर रखनी होगी। चूंकि सोशल मीड़िया की भूमिका ऐसे मामलों में ज्यादा व्यापक रूप से सामने आई है, लिहाजा सोशल मीड़िया के तमाम मंचों और उन्हें रेगुलेट करने वाली कंपनियों पर भी सरकार को नजर रखने की अत्यंत आवश्यकता है। ज्यादातर मामलों में देखा गया है कि आतंकवादी इन्हीं सोशल मीड़िया के प्लेटफार्म से आतंकी खेल रचते हैं। साथ में स्थानीय गुर्गों पर भी स्थानीय खुफिया एजेंसियों को बराबर नजर रखना होगा। हर हाथ को काम देने से निश्चित तौर पर ऐसे काम से युवा बचेंगे और उन्हें बरगलाना कट्टरपंथी गुटों के लिए दुष्कर होगा। स्थानीय स्तर पर भाईचारा कमिटी को और इसे सुगठित रूप देने से ही आतंकवाद को शिकस्त दी जा सकती है।

परिधि/राजीव मंडल

जागती क्यों नहीं सरकार?

माउंटेन मैन दशरथ मांझी के बाद अब लौंगी भुइयां ने सरकार को आईना दिखाया है। दशरक्ष मांझी जिन्होंने पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया था, जबकि भुइयां ने अपने गांव में पानी लाने के लिए पहाड़ियों के बीच से नहर निकाल दी। वो भी 70 साल की उम्र में। यह वाकई कर्मठता और जीवटता का अद्भुत संयोग है। इनकी हाड़ तोड़ मेहनत से बनाई गई सड़क और नहर ताजमहल और राजा-महाराजाओं की बनाई इमारतों से कहीं ज्यादा सुंदर, अप्रतिम और बेमिसाल है।

दोनों शख्सियतों में समानता की बात करें तो यही तथ्य सामने आता है कि मांझी और भुइयां ने बिना सरकारी या निजी मदद के अपने दम पर वो कर दिखाया हैग जिसकी कल्पना ही की जा सकती है। सामान्य कद-काठी के मांझी और भुइयां ने अपनी जिद से यही संदेश दिया कि अगर कोई शख्स कुछ करने की ठान ले तो तमाम विपरीत हालात भी उसकी राह का रोड़ा नहीं बन सकेंगे। मांझी और भुइयां ने एक पंचायत भर जितना काम करके दिखाया है। यह सामान्य परिघटना नहीं है। कुदाल, खंती, छेनी-हथौड़ी और घरेलू औजार की मदद से 3 किलोमीटर नहर खोद देना या पहाड़ का सीना छलनी कर सड़क बना देना कहीं से भी आसान नहीं है। हकीकत में यह सरकार के इकबाल पर छेनी-हथौड़ी चलाने की तरह है। कोई सरकार कैसे 30 साल तक एक शख्स की जिद और उसके पागलपन को आंख मूंदे देखती रही। पंचायत या तहसील के अधिकारी-कर्मचारी अफसरी ठाठ की चकाचौंध में रतौंधी के शिकार होकर रह गए? यह सवाल तो सरकार से भी पूछा जाना चाहिए जो यह कहते नहीं थकती कि हमारे होने का मतलब तो 'बहार' का होना है। हमने वो कर दिखाया जो विपक्ष इस जन्म में तो सोच ही नहीं सकता। अगर ऐसे शानदार और जानदार काम वाकई सरकार ने किए हैं तो मांझी को पहाड़ काटने और भुइयां को नहर खोदने की जरूरत क्यों पड़ती?

यह उस राज्य की दास्तां है, जहां यही दलील दी गई कि काम करने के सिवा सरकार ने कोई काम नहीं किया। पिछले 15 सालों के शासन में सूबे ने हैरतअंगेज तरक्की की है। क्या यह सच है? आम जनता से पूछेंगे तो उसका जवाब नहीं होगा। शायद सरकारी तंत्र की उदासीनता या अफसरों की काहिली ने मांझी और भुइयां को यह सब करने को मजबूर किया। खैरग सरकार को अब भी चेत जाना चाहिए। साथ ही ऐसे मामलों में सुशासन को ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है।

सामयिक : पहले चौकीदार अब बेरोजगार

विनीत नारायण

मद्रास आईआईटी के प्रोफेसर एम सुरेश बाबू और साई चंदन कोट्टू ने देश की बेरोजगारी पर एक तथ्यात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किया है, जिसे आम पाठकों के लाभ के लिए सरल भाषा में यहां उद्धृत कर रहा हूं।

उनका कहना है 50 हजार करोड़ के 'गरीब कल्याण रोजगार अभियान' से फौरी राहत भले ही मिल जाए पर शहरों में इससे सम्माननीय रोजगार नहीं मिल सकता। देश के आर्थिक और सामाजिक ढांचे को देखते हुए शहरों में अनौपचारिक रोजगार की मात्रा को क्रमशः घटा कर औपचारिक रोजगार के अवसर को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। देश की सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था के कारण बेरोजगारी खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। भवन निर्माण क्षेत्र में 50 फीसद, व्यापार, होटेल व अन्य सेवाओं में 47 फीसद, औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में 39 फीसद और खनन क्षेत्र में 23 फीसद बेरोजगारी फैल चुकी है।

चिंता की बात यह है कि ये वो क्षेत्र हैं जो देश को सबसे ज्यादा रोजगार देते हैं। इसलिए उपरोक्त आंकड़ों का प्रभाव भयावह है। जिस तीव्र गति से ये क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं, उससे तो और भी तेजी से बेरोजगारी बढ़ने की स्थितियां पैदा हो रही हैं। दो वक्त की रोटी का भी जुगाड़ न कर पाने की हालत में लाखों मजदूर व अन्य लोग जिस तरह लॉकडाउन शुरू होते ही पैदल ही अपने गांवों की ओर चल पड़े; उससे इस स्थिति की भयावहता का पता चलता है। वे कब वापस शहर लौटेंगे या नहीं लौटेंगे, अभी कहा नहीं जा सकता। जिस तरह पूर्व चेतावनी के बिना लॉकडाउन की घोषणा की गई; उससे निचले स्तर के अनौपचारिक रोजगार क्षेत्र में करोड़ों मजदूरों पर गाज गिर गई। उनके मालिकों ने उन्हें बेदर्दी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। बेचारे अपने परिवारों को लेकर सड़क पर आ गए।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण एशिया के देशों में अनौपचारिक रोजगार के मामले में भारत सबसे ऊपर है। जिसका मतलब हुआ कि हमारे देश में करोड़ों मजदूर कम मजदूरी पर, बेहद मुश्किल हालातों में काम करने पर मजबूर हैं, जहां इन्हें अपने बुनियादी हक भी प्राप्त नहीं हैं। इन्हें नौकरी देने वाले जब चाहे रखें, जब चाहें निकाल दें। क्योंकि इनका ट्रेड यूनियनों में भी कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार भारत में 53.5 करोड़ मजदूरों में से 39.8 करोड़ मजदूर अत्यंत दयनीय अवस्था में काम करते हैं। जिनकी दैनिक आमदनी 200 रुपये से भी कम होती है। इसलिए मोदी सरकार के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं।

पहली; शहरों में रोजगार के अवसर कैसे बढ़ाए जाएं? क्योंकि पिछले 6 वर्षो में बेरोजगारी का फीसद लगातार बढ़ता गया है। दूसरा; शहरी मजदूरों की आमदनी कैसे बढ़ाएं, जिससे उन्हें अमानवीय स्थित से बाहर निकाला जा सके। इसके लिए तीन काम करने होंगे। भारत में शहरीकरण का विस्तार देखते हुए, शहरी रोजगार बढ़ाने के लिए स्थानीय सरकारों के साथ समन्वय करके नीतियां बनानी होंगी।

इससे यह लाभ भी होगा कि शहरीकरण से जो बेतरतीब विकास और गंदी बस्तियों का सृजन होता है उसको रोका जा सकेगा। इसके लिए स्थानीय शासन को अधिक संसाधन देने होंगे। दूसरा; स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन वाली विकासात्मक नीतियां लागू करनी होंगी। तीसरा; शहरी मूलभूत ढांचे पर ध्यान देना होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था भी सुधरे। चौथा; देखा यह गया है, कि विकास के लिए आवंटित धन का लाभ शहरी मजदूरों तक कभी नहीं पहुंच पाता और ऊपर के लोगों में अटक कर रह जाता है। इसलिए नगर पालिकाओं में विकास के नाम पर खरीदी जा रही भारी मशीनों की जगह अगर मानव श्रम आधारित शहरीकरण को प्रोत्साहित किया जाएगा तो शहरों में रोजगार बढ़ेगा। पांचवां; शहरी रोजगार योजनाओं को स्वास्थ्य और सफाई जैसे क्षेत्र में तेजी से विकास करके बढ़ाया जा सकता है। क्योंकि हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आज यह हालत नहीं है कि वो प्रवासी मजदूरों को रोजगार दे सके। अगर होती तो वे गांव छोड़ कर शहर नहीं गए होते।

मौजूदा हालात में यह सोचना कि मनरेगा से या ऐसी किसी अन्य योजना से आम लोगों को रोजगार मिल जाएगा, नासमझी होगी। ये जरूरी है कि मनरेगा के तहत आवंटित धन और न्यूनतम कार्यदिवस, दोनों को बढ़ाया जाए। पर साथ ही यह मान बैठना कि जो मजदूर लौट कर गांव गए हैं उन्हें मनरेगा से या ऐसी किसी अन्य योजना से सम्भाला जा सकता है, अज्ञानता होगी। ये वो मजदूर हैं, जिन्हें मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी करने में रुचि नहीं रही होगी तभी तो वे गांव छोड़ कर शहर की ओर गए। पर इससे करोड़ों बेरोजगारों का एक छोटा सा अंश ही संभल पाएगा, जबकि बेरोजगारों में ज्यादा तादाद उनकी है जिनकी शहरों में रोजगार करने में रुचि है। इसलिए शहर में सम्माननीय रोजगार पैदा करना समय की मांग है और मोदी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। क्योंकि ये तो सिर्फ शहरी मजदूरों की बात हुई जबकि दूसरी तरफ करोड़ों नौजवान आज देश में बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर भी बेरोजगार हैं।

उनका आक्रोश इतना बढ़ चुका है कि उन्होंने अब अपने नाम के पहले 'चौकीदार' की जगह 'बेरोजगार' जोड़ लिया है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर एक व्यापक अभियान चला कर इन नौजवानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस को ही 'बेरोजगारी दिवस' के रूप में मनाया। ये एक खतरनाक शुरुआत है, जिसे केवल वायदों से नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में शिक्षित रोजगार उपलब्ध कराकर ही रोका जा सकता है। मोदी जी ने 2014 के अपने चुनावी अभियान के दौरान प्रतिवर्ष 2 करोड़ नये रोजगार सृजन का अपना वायदा अगर निभाया होता तो आज ये हालात पैदा न होते। कोरोना लॉकडाउन तो मार्च 2020 से हुआ है, जिसने स्थित और बिगाड़ दी।

अंतर्मन

सकारात्मक दृष्टिकोण से सार्थक होती है प्रतिभा

सीताराम गुप्ता

अक्सर प्रश्न उठता है कि क्या मात्र टैलेंट यानी प्रतिभा अथवा योग्यता के बल पर पूर्ण सफलता संभव है? एक उदाहरण देखिए। एक बार जूते बनाने वाली कंपनी ने अपने विक्रय प्रतिनिधि को अत्यंत पिछड़े इलाके में अपना कारोबार शुरू करने के लिए भेजा। जब वह प्रतिनिधि उस इलाके में पहुंचा तो देखा कि वहां किसी के भी पैरों में जूते नहीं हैं और न ही पूरे इलाके में कोई जूतों की दुकान ही है। इलाका बहुत पिछड़ा हुआ है। वह मायूस हो गया और उसने अपनी कंपनी से कहा कि यहां जूते बिकने की कोई संभावना नहीं है।

कंपनी ने उस विक्रय प्रतिनिधि को वापस बुला लिया और एक दूसरे प्रतिनिधि को वहां भेज दिया। दूसरे प्रतिनिधि ने भी वहां पहुंचते ही देखा कि किसी के भी पैरों में जूते नहीं हैं। उसने फौरन कंपनी से संपर्क किया और कहा कि यहां किसी के भी पैरों में जूते नहीं हैं अतः जूते बिकने की असीम संभावनाएं हैं। कृपया जितना भी स्टॉक है फौरन भेज दो। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए इस प्रकार का सकारात्मक दृष्टिकोण अनिवार्य है।

ह्यूमन रिसोर्सेज ट्रेनर आर. अग्रवाल कहते हैं, सफलता हमारे टैलेंट यानी प्रतिभा अथवा योग्यता नहीं अपितु हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। आपका दृष्टिकोण आपकी सफलता का मानक है। जैसा आपका दृष्टिकोण होगा जीवन में वैसी ही सफलता आपको प्राप्त होगी। जिस क्षेत्र में आपका दृष्टिकोण सकारात्मक होगा उसी क्षेत्र में आप बाजी मार ले जाएंगे। प्रश्न उठता है कि दृष्टिकोण से क्या तात्पर्य है? दृष्टिकोण अर्थात? देखने का ढंग।

हम घटनाओं, स्थितियों और व्यक्तियों को किस दृष्टि से

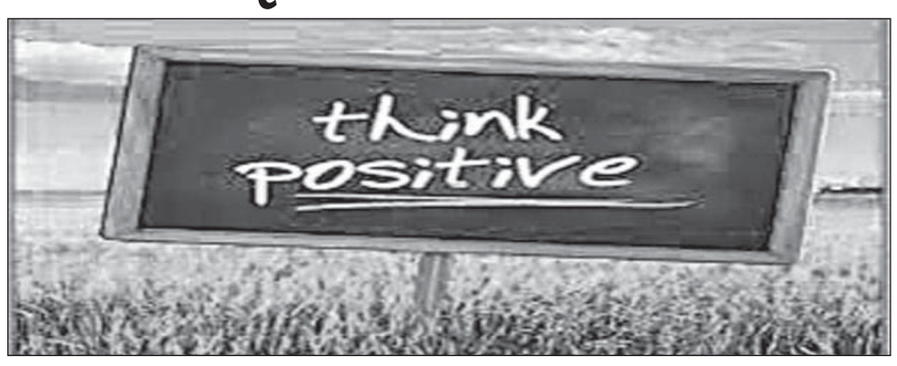

देखते हैं, यह हमारे लिए अधिक महत्वपूर्ण है न कि वे क्या हैं? कोई घटना कैसी है, इसका कोई मापदंड नहीं होता। हर व्यक्ति उसे अलग ढंग से लेता है और जो जिस ढंग से लेता है उसका वैसा ही अच्छा या बुरा प्रभाव उस पर पड़ता है। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के प्रति हमारा दृष्टिकोण या तो सकारात्मक हो सकता है या नकारात्मक।

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण होना अनिवार्य है। वास्तव में हमारा दृष्टिकोण हमारे विचारों द्वारा संचालित होता है। जैसे विचार वैसा दृष्टिकोण और जैसा दृष्टिकोण वैसी उपलब्धि। विचार ही हमारे जीवन को वास्तविकता प्रदान करते हैं। यदि हमारा ध्यान अभावों पर केंद्रित रहता है तो हम सदैव अभावग्रस्त बने रहते हैं और यदि समृद्धि पर तो समृद्ध होते देर नहीं लगती। एक सफल व्यक्ति वही होता है जो सफलता के विषय में ही सोचता है।

यदि कमजोर बच्चे के बारे में एक अध्यापक अथवा ट्यूटर ये कहे कि ये बच्चा तो बहुत कमजोर है अतः मैं इसे नहीं पढ़ा सकता तो उस अध्यापक अथवा ट्यूटर के दृष्टिकोण के बारे में आप क्या कहेंगे? उसे न सिर्फ एक कमजोर बच्चा पढ़ाने के लिए मिल रहा है अपितु उसे स्वयं को प्रूव करने का मौका भी मिल रहा है जो उसके पेशे के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यदि आप उस बच्चे को पढ़ा पाते हैं तो ये आपके लिए एक विशेष उपलब्धि ही होगी।

कई व्यक्ति किसी भी काम को करने से पहले एक बार उसे करने से मना अवश्य करते हैं चाहे वह कितना ही आसान क्यों न हो जबकि कुछ व्यक्ति कभी किसी काम को मना ही नहीं करते। कुछ लोग किसी विषय में कोई निर्णय ही नहीं ले पाते जबकि कुछ लोग सही समय पर सही निर्णय लेने में देर नहीं लगाते। यह दृष्टिकोण का ही अंतर है। इच्छा-अनिच्छा अथवा निर्णय-अनिर्णय भी एक प्रकार का निर्णय ही है जो हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।

एक बार एक उद्योगपति एक विमान से यात्रा कर रहा था। विमान से उतरने के फौरन बाद उसे सीधे एक जरूरी मीटिंग में जाना था। उड़ान के दौरान जब एक विमान परिचारिका उसे भोजन सर्व कर रही थी तो न जाने कैसे उसके क़मीज पर कुछ भोजन गिर गया और उसका क़मीज गंदा हो गया। विमान के कर्मचारियों ने उससे क्षमा-याचना की लेकिन उसे बहुत गुस्सा आ रहा था क्योंकि विमान से उतरने के फौरन बाद उसे एक जरूरी मीटिंग में जाना था। उसके पास दूसरे कपड़ों की व्यवस्था करने का समय नहीं था। उसने फैसला किया कि भविष्य में कभी भी इस एयरलाइन से यात्रा नहीं करूंगा।

अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद जैसे ही वह एयरपोर्ट की इमारत में दाखिल हुआ उस एयरलाइन का एक सीनियर मैनेजर उन्हें अपने कक्ष में ले गया। वहां पर ठीक उसी के साइज की बेहतरीन किस्म की तीन कमीजें रखी हुई थीं। मैनेजर ने उद्योगपति से यात्रा के दौरान हुई घटना के लिए पुनः क्षमा-याचना की और उन्हें नई कमीज बदलने का आग्रह किया। वापसी में न केवल उनकी अपनी कमीज साफ करवाकर लौटा दी गई अपितु शेष दो कमीजें भी उन्हें उपहार के रूप में दे दीं। अब उद्योगपति ने फैसला किया कि भविष्य में जब भी यात्रा करूंगा केवल इसी एयरलाइन से यात्रा करूंगा। संबंध चाहे व्यक्तिगत हों अथवा व्यावसायिक, उनको बनाने में हमारा दृष्टिकोण बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निजी अस्पताल

आपदा में 'अवसर'

डॉ. संजय वर्मा

जब मौका मरीज की जान बचाने का हो तो कोई कारगर इलाज चमत्कार सरीखा हो जाता है और डॉक्टर की भूमिका ईश्वर जैसी। ऐसी स्थिति में कोई शख्स इलाज की कीमत पर चाहकर भी सवाल उठाने की हिम्मत नहीं कर पाता है।

खास तौर से निजी अस्पतालों में लाखों के बिल के साथ जिंदा लौटने वाले मरीजों के परिजन इलाज के दौरान हुए खर्च पर खामोश रह जाते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने का मतलब अस्पताल और डॉक्टर की नाराजगी मोल लेना होगा, जिसकी कीमत मरीज की जान के रूप में चुकानी पड़ सकती है। लेकिन मौजूदा कोरोना संकट में यह सवाल बार-बार उठ रहा है कि आखिर सरकार निजी अस्पताओं में चल रही इस खुली लूट पर अंकुश क्यों नहीं लगाती।

बीमारियों के इलाज की कीमतें क्यों तय नहीं की जाती है, और अगर रेट तय हैं तो सरकार के आदेश की अवहेलना कर प्राइवेट अस्पताल मरीजों को लाखों के बिल क्यों थमा देते हैं। हो सकता है कि इसकी एक वजह यह हो कि जब मंत्रियों को अच्छे इलाज की जरूरत महसूस होती है तो वे खुद सरकारी अस्पताल ना जाकर प्राइवेट हॉस्पिटलों पर भरोसा करते हैं। तब सवाल पैदा होता है कि आखिर सरकारी अस्पतालों पर भरोसा जगाने के लिए क्या किया जा रहा है। जहां तक निजी अस्पतालों में महंगे इलाज की बात है तो बीते एक-डेढ़ दशक से ये शिकायतें आम हो गई हैं कि टेस्ट और इलाज के नाम पर लाखों के बिल बनते हैं। इलाज की महंगाई को लेकर स्वीकार्यता का आलम यह है कि मेडिकल इंश्योरेंस बेचने वाली कंपनियां जोरदार ढंग से विज्ञापन करती हैं कि अब प्राइवेट हॉस्पिटल में मामूली बीमारियों की चिकित्सा का मतलब है लाखों का बिल। पूछना चाहिए कि अगर इनके दावे गलत हैं तो झूठे विज्ञापनों के लिए सरकार इंश्योरेंस कंपनियों पर एक्शन क्यों नहीं लेती। और अगर इनके दावे सच हैं, तो निजी अस्पतालों के गोरखधंधे पर सरकार क्यों खामोश है। डेंगू, न्यूमोनिया सरीखी बीमारियों को छोड़कर अभी अगर कोविड-19 महामारी के टेस्ट और इलाज की ही बात करें तो शुरू से इन पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतें हैं कि प्राइवेट अस्पतालों में कभी डॉक्टर की विजिट के नाम पर तो कभी डॉक्टर और नर्स की पीपीई किट और ग्लव्ज़ के नाम पर मरीजों को हजारों-लाखों के बिल थमाए जा रहे हैं।

डॉक्टर भले ही एक ही पीपीई किट पहनकर दो दर्जन मरीजों के पास गया हो, लेकिन उस एक किट का पैसा हरेक मरीज से वसूला जाता है। कोई बीमारी होने पर इलाज नहीं करवा पाने की तकलीफ वही जान सकता है, जिसे इससे जूझना पड़ता है। देश में कोविड-19 के संक्रमण से पहले भी निजी अस्पतालों की लूट-खसोट ने लोगों को काफी परेशान किया है। हालात ये रहे हैं कि सिर्फ दिल के मर्ज और कैंसर जैसे इलाज ही नहीं, सर्दी-जुकाम जैसी मामूली बीमारियों से छुटकारा पाने में देश के आम तबके के पसीने छूटते रहे हैं। कोरोना के संकट ने इसमें कई गुना इजाफा किया है क्योंकि यह आपदा प्राइवेट अस्पतालों से लेकर एंबुलेंस संचालकों तक के लिए एक शानदार अवसर में बदल गई है। इलाज के सरकारी ढांचे से जनता कितनी निराश है, देश के तमाम सरकारी अस्पतालों में कोरोना के मरीजों के साथ हुए हादसों ने यह साबित कर ही दिया है। इलाज की सरकारी व्यवस्था से निराश लोग जैसे-तैसे निजी अस्पतालों में चले जाएं, तो इलाज की कीमत ही उन्हें मार देती है। प्राइवेट अस्पतालों के बारे में बनी यह धारणा निराधार नहीं है कि वे डॉक्टरों, फार्मा कंपनियों और प्राइवेट टेस्ट लैब्स की साठगांठ से ही चलते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स डॉक्टरों के लिए ऐसे कोड ऑफ कंडक्ट बनाकर रह जाती है कि वे दवा कंपनियों से गिफ्ट न सकें और मरीजों को मनवांछित प्राइवेट लैब्स में टेस्ट के लिए न भेज सकें, लेकिन इन कायदों के उल्लंघन पर किसी डॉक्टर-अस्पताल को दंडित किया गया है-ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

ज्यादा हंगामा होने पर सरकारें यह बंदरघुड़की देकर ही मौन हो जाती हैं कि आइंदा कोई गड़बड़ी पाई गई, तो उनका लाइसेंस छीन लिया जाएगा। सच्चाई यह है कि शायद ही किसी बड़े अस्पताल ही ऐसी कार्रवाई हुई हो। अमीरों को प्राइवेट अस्पतालों की लूट से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता लेकिन मध्य वर्ग और गरीबों की तो इससे कमर ही टूट जाती है। अगर सरकार चाहती है कि 'अनहोनी' से डराए गए मरीज और परिजन महंगे इलाज को सहने के लिए अभिशप्त ना रहें, तो उसे पूरे हेल्थ सेक्टर के लिए 'ऑपरेशन क्लीन' की चलाने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसबीआई लाइफ का बीमा पॉलिसियां बेचने के लिए यस बैंक से करार

नई दिल्ली। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने यस बैंक के साथ बैंक एश्योरेंस करार किया है। इसके तहत यस बैंक देशभर में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के जीवन बीमा समाधान की पेशकश कर सकेगा। इस भागीदारी के तहत एसबीआई लाइफ के व्यक्तिगत और समूह बीमा समाधानों की पेशकश 28 राज्यों और आठ संघ शासित प्रदेशों में यस बैंक के ग्राहकों को की जा सके। एसबीआई लाइफ के वृहद उत्पाद पोर्टफोलियो तथा बैंक की डिजिटल क्षमता और व्यापक स्तर पर मौजूदगी से ग्राहकों को जीवन बीमा उत्पाद आसानी से उपलब्ध होंगे। इस बारे में करार पर यस बैंक के वैश्विक प्रमुख (खुदरा बैंकिंग) राजन पेंटल तथा एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के क्षेत्रीय निदेशक-मुंबई क्षेत्र एवीएस शिवरामकृष्णन ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर एसबीआई लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार शर्मा तथा एसबीआई लाइफ के अध्यक्ष-जोन 1 रवि कृष्णमूर्ति भी मौजूद थे।

बिगलीप टेक्नालॉजीज 2021 तक 6,000 लोगों को भर्ती करेगी

हैदराबाद। हैदराबाद स्थित मानव संसाधन प्रदाता कंपनी बिगलीप टेक्नालॉजीज एंड सॉल्युशंस ने सोमवार को कहा है कि वह 2021 तक 6,000 से अधिक कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कंपनी ने अगले दो वर्षों में अपने कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि कर्मचारियों की संख्या में इस बढ़ोतरी के साथ ही 10,000 से अधिक कर्मचारी उसके आउटसोर्सिंग वेतनमान पर नियुक्त होंगे। बिगलीप के परिचालन की शुरुआत 2015 में हुई थी और उसका परिचालन 22 राज्यों में है।

जीएसटी में कटौती से दोपहिया वाहन उद्योग को मिलेगी रफ्तार। एचएमएसआई

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने दोपहिया वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती को लेकर उद्योग के विभिन्न हलकों की मांग का समर्थन किया है। कंपनी ने कहा कि इस कदम से चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल का सामना कर रहे क्षेत्र को पटरी पर लाने और उसकी वृद्धि को गति देने में मदद मिलेगी। जापान की वाहन कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकरी ने कहा कि क्षेत्र आर्थिक नरमी के कारण इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों के कारण क्षेत्र की वृद्धि प्रभावित हुई है। एचएमएसआई के निदेशक (बिक्री और विपणन) यादविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा, ''हमें भरोसा है कि इस प्रकार के कदम से खरीदारों के लिए वाहन सस्ता होगा और इससे उनकी बचत बढ़ेगी। उनसे यह पूछा गया था कि क्या दोपहिया वाहनों पर जीएसटी में कटौती से क्षेत्र को पटरी पर लाने में मदद मदद मिलेगी। गुलेरिया ने कहा, ''इससे निश्चित रूप से मदद मिलेगी। उद्योग इस समय चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में जीएसटी में कटौती से उद्योग की वृद्धि को गति मिलेगी। उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि लोग आर्थिक नरमी से जुड़ी अनिश्चितता के दौरान नकद अपने पास संभाल कर रखना चाहते हैं। साथ ही कोविड-19 स्थिति को देखते हुए अपना वाहन लेना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में अगर दोपहिया वाहन सस्ता होता है, तो इससे उन्हें मदद मिलेगी। दोपहिया वाहन उद्योग जीएसटी 28 प्रतिशत से कम कर 18 प्रतिशत करने की मांग कर रहा है। उसकी दलील है कि दोपहिया वाहन मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आने वाले लाखों परिवार के लिए परिवहन के लिए एक बुनियादी जरूरत है।

एन आर नारायणमूर्ति बोले, कंपनी के खिलाफ शिकायत करना बदले की भावना नहीं

नई दिल्ली।

आईटी सेक्टर कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायणमूर्ति ने कहा कि अगर कोई व्हिस्ल ब्लोअर पुख्ता सबूत के साथ अपने दावों को रखता है तो इसे प्रतिशोध नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के 47वें नेशनल मैनेजमेंट कन्वेन्शन के दौरान यह बात कही। नारायणमूर्ति के अनुसार अगर कोई व्हिसिलब्लोवर बॉस के किसी बात को सबूत के साथ रखता है तो कंपनी को उसे पूरी सुरक्षा देनी चाहिए। बता दें कि कोई व्हिसिब्लोअर अगर पारदर्शी रूप से शिकायत करता है तो कंपनी बोर्ड को चाहिए कि वह कंपनी की गरिमा को बचाएं और कर्तव्यों को पूरा करें। अगर किसी निचले व मध्य स्तर के कर्मचारी के खिलाफ कोई शिकायत सामने आती है तो इसके लिए आतंरिक कमेटी बनाकर सुलझाना चाहिए। इसके लिए उन सीनियर कर्मचारियों को शामिल करें जो आरोपी के संपर्क में नहीं है दावो की जांच के लिए यह पर्याप्त होना चाहिए। नारायणमूर्ति ने कहा कि अगर किसी चेयरमैन, सीईओ या एक्जीक्युटिव डायरेक्टर समेत अन्य बोर्ड के सदस्यों के खिलाफ शिकायत आती है तो अमूमन अधिकतर बोर्ड मौजूदा नियम कानून के आधार पर इसकी जांच करते हैं। यह सहीं आइडिया नहीं है क्योंकि न्यायधीश, जूरी और अभियुक्त नहीं बन सकते। साल 2018 में एक व्हिसिब्लोअर ने इंफोसिस के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर सवाल उठाते हुए सह-संस्थापक नंदन निलेकणी पर कई आरोप लगाये थे। निलेकणी पर बोर्ड द्वारा गलत कामों को छुपाने व दबाने का आरोप लगाया गया था। इस बारे में शिकायतकर्ता ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी सेबी को पत्र भी लिखा था। साल 2019 अक्टूबर में भी एक व्हिसिब्लोअर ने सीईओ सलिल पारेख और सीएफओ निलंजन रॉय पर अकाउंटिंग अनियमितताओं को लेकर आरोप लगाया था।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 432 परियोजनाओं की लागत 4.29 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 432 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिली है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जुलाई, 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,670 परियोजनाओं में से 432 की लागत बढ़ी है जबकि 505 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ''इन 1,670 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 20,58,193.26 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 24,87,361.54 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इनकी लागत मूल लागत की तुलना में 20.85 प्रतिशत यानी 4,29,168.28 करोड़ रुपए बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2020, तक इन परियोजनाओं पर 11,51,222.81 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 46.28 प्रतिशत है।

गूगल का पेटीएम पर पलटवार! कहा- गूगल प्ले स्टोर की सट्टेबाजी नीतियों का उल्लंघन नहीं हैं कैशबैक की पेशकश

बेंगलुरु। डिजिटल भुगतान कंपनी पेटीएम और गूगल के बीच इन दिनों जंग छिड़ी हुई है। पेटीएम ने दावा किया कि भारत में वैध होने के बाद भी गूगल ने उसे कैशबैक की पेशकश हटाने के लिए मजबूर किया है। पेटीएम ने आरोप लगाया कि गूगल की भुगतान सेवा %गूगल पे% खुद क्रिकेट पर आधारित ऐसी ही पेशकश कर रही है। इस पर गूगल ने कहा कि सिर्फ कैशबैक और वाउचर गूगल प्ले की सट्टेबाजी से जुड़ी नीतियों का उल्लंघन नहीं हैं। साथ ही कहा कि अगर पेटीएम नीतियों का आगे भी उल्लंघन करेगा तो गूगल प्ले डेवलपर अकाउंट को सस्पेंड किया जा सकता है। गूगल ने आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट से पहले 18 सितंबर के नीतिगत अपडेट के बाद पेटीएम के ऐप को अपने ऐप स्टोर गूगलप्ले स्टोर से कुछ समय के लिए हटा दिया था। पेटीएम का ऐप वापस प्ले स्टोर पर तब आ पाया, जब उसने क्रिकेट से जुड़े एक फीचर से कैशबैक की सुविधा वापस ले ली। पेटीएम ने एक ब्लॉग पोस्ट में रविवार को कहा कि उसे एंड्रॉयड प्ले स्टोर पर वापस जगह पाने के लिए यूपीआई कैशबैक और स्क्रैच कार्ड सुविधा हटाने के नियम को मानने के लिए मजबूर किया गया।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और डिप्टी गवर्नर ने बैंकिंग सिस्टम की हालत सुधारने के बताए उपाय

बिजनेस डेस्क।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने पूर्व आरबीआई डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य के साथ मिलकर भारतीय बैंकिंग सेक्टर के हालात पर एक रिसर्च पेपर लिखा है। दोनों अर्थशास्त्रियों ने इस रिसर्च पेपर में देश के बैंकिंग सेक्टर की समस्याओं और समाधान पर रोशनी डालते हुए कई ऐसे रास्ते सुझाए हैं, जिससे इस सेक्टर को मजबूत किया जा सके। उन्होंने सरकारी बैंकों पर विशेष रूप से चर्चा की है। रघुराम राजन फिलहाल शिकागो यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। विरल आचार्य ने पिछले साल जुलाई में ही अपने 3 साल के कार्यकाल से करीब 6 महीने पहले के डिप्टी गवर्नर पद से इस्तीफा दे दिया था। राजन ने इस रिसर्च पेपर के बारे में अपने लिंक्डइन अकाउंट के जरिए जानकारी दी है। इस पेपर में दोनों अर्थशास्त्रियों ने सबसे पहले यह जानने की कोशिश की है कि बीते कुछ दशक के दौरान भारत में बैंकिंग सेक्टर क्यों चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसमें खासतौर पर सरकारी बैंकिंग सेक्टर पर ध्यान दिया गया है। दरअसल, प्राइवेट सेक्टर बैंकों की तुलना में पब्लिक सेक्टर बैंकों में लोन के फंसने की समस्या सबसे ज्यादा है। इनमें से अधिकतर हिस्सा रिकवर नहीं हो पाता है। उन्होंने इस सेक्टर में संस्थागत जटिलताओं के बारे में भी जिक्र किया है। भारत में फंसे कर्ज के रिजॉल्युशन में यह भी एक समस्या है। उन्होंने यह भी बताया है कि कई दशकों से भारत में फंसे कर्ज की समस्या को कैसे सुलझाया जा सकता है। सरकारी बैंकों के प्रबंधन पर रोशनी डाली गई है। उन्होंने कुछ ऐसे रास्ते भी सुझाए हैं, जिससे बैंक बेहतर तरीके से लोन जारी करने के बाद उन्हें मॉनिटर भी कर सकते हैं। इससे बैंकों को जोखिम करने में भी मदद मिलेगी। इससे बैंकों को जोखिम करने में भी मदद मिलेगी। ईसमें उन्होंने खराब लोन से डील करने, पब्लिक सेक्टर बैंकों को बेहतर बनाने, पब्लिक सेक्टर बैंकों के वैकल्पिक स्वामित्व के बारे में, बैंकों के जोखिम प्रबंधन को बेहतर करने के बारे में और बैंकिंग स्ट्रक्चर में बेहतर वेराइटी के बारे में विशेष तौर से फोकस किया है।

सरकारी बैंकों में नियुक्तियों का तरीक बदलने का समय

इस रिसर्च पेपर में उन्होंने यह भी कहा कि इनमें से कई बातों पर पहले भी सुझाव दिए गए हैं। साल 2014 में पी जे नायक कमेटी का भी जिक्र है। केंद्र सरकार ने ज्ञान संगम के तौर पर 2015 में इस कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की कोशिश की थी। सरकारी बैंकों में नियुक्तियों और बैंकों के बोर्ड को सशक्त बनाने के लिए बैंक बोर्ड ब्यूरो बनाने की सिफारिश की गई थी। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसपर सहमति जताई थी लेकिन करीब 5 साल बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है। अभी भी बैंकों के सीईओ की नियुक्ति सरकार ही करती है।

भारती एक्सा ने नई यूनिट लिंक्ड व्यक्तिगत बीमा योजना पेश की, मिलेगी ये सुविधा

नई दिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज और एक्सएए के संयुक्त उद्यम भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस ने सोमवार को भारती एक्सा लाइफ वेल्थ प्रो नाम से एक नई यूनिट लिंक्ड व्यक्तिगत बीमा योजना पेश की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके तहत नियमित बचत के मुकाबले अधिक लाभ वाले बाजार आधारित प्रतिफल की पेशकश की गई है, और इसमें अधिक सुरक्षा उपाए किए गए हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि नई और मूल्यवर्धित यूलिप से ग्राहकों को परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा के साथ अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। बयान के मुताबिक योजना के दो संस्करण हैं- वृद्धि और विरासत। वृद्धि संस्करण में ग्राहक दस साल, 15 साल या 20 साल के लिए पॉलिसी ले सकते हैं और प्रीमियम का भुगतान एकमुश्त, या पांच, सात, 10, 15 या 20 वर्ष तक कर सकते हैं। एकमुश्त प्रीमियम भुगतान का विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अधिक बीमा कवर दिया जाएगा। ऐसे ही विरासत संस्करण में ग्राहकों को अधिक बीमा कवर मिलेगा।

1 अक्टूबर से इन ट्रांजेक्शन पर लगेगा टैक्स, लागू हो रहा नया नियम

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने विदेश पैसे भेजने पर टैक्स वसूलने से जुड़ा नया नियम बना दिया है। ये नियम 1 अक्टूबर 2020 से लागू हो जाएगा। ऐसे में अगर आप विदेश में पढ़ रहे अपने बच्चे के पास पैसे भेजते हैं या किसी रिश्तेदार की आर्थिक मदद करते हैं तो रकम पर 5 फीसदी टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स का अतिरिक्त भुगतान करना होगा। फाइनेंस एक्ट, 2020 के मुताबिक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत विदेश पैसे भेजने वाले व्यक्ति को टीसीएस देना होगा। बता दें कि एलआरएस के तहत 2.5 लाख डॉलर सालाना तक भेज सकते हैं, जिस पर कोई टैक्स नहीं लगता। इसी को टैक्स के दायरे में लाने के लिए टीसीएस देना होगा। सरकार ने इस मामले में कुछ छूट दी है, जिसके तहत विदेश भेजे जाने वाले सभी पैसों पर यह टैक्स लागू नहीं होगा। अगर आप बच्चों की पढ़ाई के लिए 7,00,000 रुपए या इससे कम पैसे भेजते हैं तो टीसीएस नहीं लगेगा। एजुकेशन लोन 7,00,000 रुपए ज्यादा होने पर 0.5 फीसदी टीसीएस लगेगा। किसी टूर पैकेज के लिए विदेश भेजे जाने वाली रकम पर टीसीएस लागू नहीं होगा। बता दें कि किसी भी काम के लिए विदेश भेजी जाने वाली 7,00,000 रुपए या कम रकम पर टीसीएस लागू नहीं होगा यानी रकम इससे ज्यादा होने पर टीसीएस लागू होगा। हालांकि, टूर पैकेज के मामले में इससे ज्यादा की रकम को भी छूट के दायरे में रखा गया है। सरकार को ये नियम लाने की जरूरत पर केसीसी ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन शरद कोहली ने बताया कि विदेश में कई तरह के भुगतान पर टीडीएस काटा जाता है। वहीं, गिफ्ट, इलाज, प्रॉपर्टी में निवेश, रिश्तेदार की मदद, हॉस्पिटल का भुगतान करने के लिए भेजे जाने वाला पैसा टीडीएस के तहत नहीं आता था। इन सभी को आरबीआई की एलआरएस के तहत टीडीएस से छूट मिली है। दरअसल, कोई भी भारतीय आरबीआई की एलआरएस के तहत 2.5 लाख डॉलर सालाना तक भेज सकता है। इस पैसे को टैक्स रडार में लाने के लिए टीसीएस लेने का नियम बनाया गया है। इसमें कई तरह की छूट का प्रावधान किया गया है। उनको छोड़कर बाकी सभी को 5 फीसदी टीसीएस देना होगा।

त्यौहारों से पहले महंगी हो सकती है एलईडी टीवी , वित्त मंत्रालय लगाएगा आयात शुल्क

नई दिल्ली। टीवी के विनिर्माण में उपयोग होने वाले ओपन सेल के आयात पर 5 प्रतिशत सीमा शुल्क एक अक्टूबर से फिर लगाया जाएगा। एक साल की छूट अवधि समाप्त होने के बाद यह शुल्क लगाया जा रहा है। वित्त मंत्रालय के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सरकार ने पिछले साल टेलीविजन के महत्वपूर्ण उपकरण ओपन सेल पर एक साल के लिए यानी 30 सितंबर तक सीमा शुल्क से छूट दी थी। इसका कारण घरेलू उद्योग का क्षमता निर्माण के लिए समय मांगना था। वित्त मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा कि छूट की अवधि समाप्त होने के साथ ओपन सेल पर 5 प्रतिशत शुल्क एक अक्टूबर से लगाया जाएगा। सूत्र ने आगे कहा कि यह कदम टेलीविजन और उसके कल-पुर्जों के चरणबद्ध विनिर्माण योजना को आगे बढ़ाने तथा सभी उपकरणों के लिए आयात पर निर्भरता में कमी लाने के लिए महत्वपूर्ण है। उसने कहा, ''भारत में विनिर्माण हमेशा के लिए आयात के दम पर जारी नहीं रह सकता। पिछले साल तक 7,000 करोड़ रुपए मूल्य के टेलीविजन आयात किए गए थे। सरकार सीमा शुल्क ढांचे के जरिए टेलीविजन उद्योग की मदद कर रही है। दिसंबर 2017 से टेलीविजन के आयात पर 20 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाया गया है।

गूगल पे ने शुरू की टोकनाइजेशन सुविधा, सुरक्षित भुगतान करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

गूगल पे ने सोमवार को अपने मंच पर टोकनाइजेशन को लागू करने की घोषणा की। टोकनाइजेशन के जरिए गूगल पे एंड्रायड उपयोगकर्ता अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अपने कार्ड को प्रत्यक्ष रूप से स्वैप किए बिना कर सकेंगे। इसके तहत कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर भेजे गए सुरक्षित डिजिटल टोकन के जरिए भुगतान हो जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वीजा और बैंकिंग भागीदारों के साथ यह सुविधा अब एक्सिस और एसबीआई कार्ड के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। कोटक और अन्य बैंकों के साथ यह सुविधा बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया कि टोकन भुगतान के साथ, गूगल पे उपभोक्ताओं को एनएफसी सक्षम एड्रायड डिवाइस या फोन का इस्तेमाल करके सुरक्षित भुगतान करने में मदद मिलेगी। बयान के मुताबिक इस सुविधा से 25 लाख से अधिक वाजा व्यापारिक स्थानों पर संपर्क रहित भुगतान किया जा सकेगा। इसके साथ ही 15 लाख से अधिक भारत क्यूआर में स्कैन करके भुगतान किया जा सकेगा। गूगल पे के कारोबार प्रमुख सजीथ शिवनंदन ने कहा, 'हम अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित भुगतान के अनुभव की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और टोकन के इस्तेमाल से धोखाधड़ी का कोई मौका भी खत्म हो जाता है।'

प्याज निर्यात पर रोक: बांग्लादेश में फिर से शुरू हो सकती है सप्लाई, तैयारी में सरकार

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह प्याज की कीमतों में इजाफा होने के बाद केंद्र सरकार ने इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन अब कुछ पड़ोसी देशों में इसकी सप्लाई एक बार फिर शुरू हो सकती है। इसमें बांग्लादेश का भी नाम शामिल है। सरकार ने इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है लेकिन इसके लिए बातचीत का दौर शुरू हो गया है। इस मामले से जुड़े लोगों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। बांग्लादेश में प्याज की खपत ज्यादा होती है। भारत से बड़े स्तर पर प्याज का निर्यात होता है। बांग्लादेश हर साल भारत से करीब 3.50 लाख टन प्याज का आयात करता है। सरकार द्वारा प्याज निर्यात पर बैन के बाद ही बांग्लादेश के ढाका में कीमतें प्रति किलो 90-100 टका तक पहुंच गया है। इसके ठीक एक दिन पहले यहां प्याज की कीमतें 50 टका पर था। मालूम हो कि इस साल प्याज उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश की वजह से फसल पर असर पड़ा है। मालूम हो कि इस साल प्याज उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश की वजह से फसल पर असर पड़ा है। इसके बाद घरेलू बाजार में कीमतों में तेजी देखने को मिली। आवक की कमी के बाद सरकार ने बीते 14 सितंबर को प्याज के निर्यात पर बैन लगा दिया था ताकि घरेलू बाजार में कीमतें काबू में आ सके। दुनियाभर में प्याज की सबसे ज्यादा खेती भारत में ही की जाती है। दक्षिण एशियाई खानों में प्याज का सबसे ज्यादा इस्तेमाल भी होता है। यही कारण है कि बांग्लादेश, नेपाल, मलेशिया और श्रीलंका जैसे देश भारतीय प्याज पर ही निर्भर रहते हैं। एक महीने के अंदर ही महाराष्ट्र के लासलगांव में प्याज का थोक भाव 30,000 रुपए प्रति टन पहुंच गया है। लासलगांव देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी है। प्याज का उत्पादन मुख्यतः छह राज्यों में होता है. 50 फीसदी प्याज भारत की 10 मंडियों से ही आता है। इनमें से छह महाराष्ट्र और कर्नाटक में हैं। इसका मतलब हुआ कि कुछ सौ व्यापारियों के हाथ में 50 फीसदी प्याज की कीमतें रहती हैं। ये व्यापारी अपने तरीकों से प्याज की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही प्याज का कोई न्यूनतम समर्थन मूल्य तय नहीं है।

हॉन्ग कॉन्ग ने 3 अक्टूबर तक एयर इंडिया की फ्लाइट्स पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

हॉन्ग कॉन्ग ने एक बार फिर एयर इंडिया की उड़ानों पर रोक लगाने का फैसला लिया है। हॉन्ग कॉन्ग के सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने 3 अक्टूबर 2020 के लिए भारत के नेशनल कैरियर की उड़ानों को बैन किया है। दरअसल, एयर इंडिया की उड़ान से हॉन्ग कॉन्ग जाने वाले कुछ पैसेंजर्स कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे जिसके बाद एयर इंडिया की प्लाइट को बैन करने का फैसला लिया है। बता दें कि इससे पहले अगस्त में भी हॉन्ग कॉन्ग ने एयर इंडिया की उड़ानों पर पांबदी लगाई थी। इससे पहले दुबई ने चार सिंबर को जयपुर-दुबई प्लाइट पर कोरोना संक्रमित यात्री मिलने के बाद 18 सितंबर 2 अक्टूबर के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की सभी उड़ानों पर बैन लगा दिया था। लेकिन 19 सिंतबर से दुबई के लिए एयर इंडिया की उड़ानें सशर्त बहाल कर दी गई है। अब हॉन्ग कॉन्ग सरकार ने कोविड-19 मरीज के साथ उड़ाने वाली एयरलाइंस के लिए नियम काफी सख्त कर दिए हैं। नए नियम के अनुसार, अगर कोई एयरलाइन पांच या ज्यादा कोविड-19 मरीजों को लेकर उड़ान भरती है तो उस पर हॉन्ग कॉन्ग में प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। एयर इंडिया के एक

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकारी एयरलाइन हॉन्ग कॉन्ग के सिविल एविएशन डिपार्टमेंट को अपने फैसले पर फिर से विचार करने का अनुरोध करेगी। दुबई ने भी दो दिन पहले दूसरी बार एयर इंडिया की उड़ानों को निलंबित किया है। दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी की मानें तो एयर इंडिया को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई करनी होगी।

इसके बाद ही 15 दिनों का निलंबन खत्म होगा। हालांकि, शनिवार 19 सितंबर से एयर इंडिया की फ्लाइट्स कुछ शर्तों के साथ दुबई के लिए बहाल हो गई हैं।

एचसीएल टेक्नालॉजीज ऑस्ट्रेलियाई आईटी कंपनी डीडब्ल्यूएस का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली।

एचसीएल टेक्नालॉजीज ने सोमवार को कहा कि वह ऑस्ट्रेलियाई आईटी समाधान कंपनी डीडब्ल्यूएस का अधिग्रहण करेगी। इस कदम से कंपनी को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाजारों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। एचसीएल टेक्नालॉजीज ने शेयर बाजार को बताया कि पूरी तरह चुकता आधार पर कुल 13.18 करोड़ शेयरों के लिए 15.82 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (850.33 करोड़ रुपये) का भुगतान किया जाएगा। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके अलावा डीडब्ल्यूएस के शेयरधारकों को कंपनी द्वारा हाल में घोषित किए गए 0.03 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर प्रति शेयर का लाभांश भी दिया जाएगा। एचसीएल टेक्नालॉजीज ने बताया कि डीडब्ल्यूएस के अधिग्रहण से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हो रही डिजिटल पहल में कंपनी का योगदान उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा और प्रमुख उद्योगों में एचसीएल का ग्राहक आधार मजबूत होगा। कंपनी ने बताया कि सौदे के लिए अभी नियामक मंजूरियां ली जानी बाकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि नियामक मंजूरियां मिलने के बाद दिसंबर 2020 तक अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। डीडब्ल्यूएस में

700 से अधिक कर्मचारी हैं और मेलबर्न, सिडनी, एडिलेड, ब्रिसबेन और कैनबरा में इसके कार्यालय हैं। कंपनी की आय वित्त वर्ष 2020 में 16.79 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

राशिद खान ने मैच से पहले दिया बड़ा बयान, कहा - इस रणनीति के साथ उतरेंगें आरसीबी के खिलाफ

दुबई । सनराइजर्स हैदराबाद के लेग स्पिनर राशिद खान ने आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले बड़ा बयान दिया है। राशिद ने कहा है कि हमारी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज़ों को विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। राशिद ने कहा कि हम यूएई में हर बार बड़े शॉट्स नहीं खेल सकते बल्कि हमें चतुराई से रन बनाने होगें। राशिद ने एक बयान में कहा कि हमने यूएई में खेले पहले दो मैचों में देखा कि बड़े रन असानी से नहीं बन रहे। इस लिए यह मायने रखता है कि खेल को आखिर तक कैसे लेकर जाया जाए। जब आप बीच के ओवरों में समझदार क्रिकेट खेलते हैं तो मुझे लगता है कि इससे आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने में मदद सकते हैं। पावर-हिटर्स अंतिम पांच ओवरों में 50-60 रन दे सकते हैं। अपनी बल्लेबाज़ी पर बात करते हुए राशिद ने कहा कि मेरे दिमाग में हमेशा यह बात रहती है कि जब मैं आखिरी तीन-चार ओवरों में बल्लेबाजी करता हूं तो मैं ज्यादा प्रभावी होता हूं। मैं भी अच्छे शॉट्स खेल सकता हूं अगर मुझे बल्लेबाजी के लिए ऊपर भेजा जाए।

किंग्स इलेवन पंजाब की टीम ने 'शॉर्ट रन' के खिलाफ अपील की

दुबई । किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ियों ने दिल्ली कैपिल्टल के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान अहम समय पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन के विवादित 'शॉर्ट रन कॉल के खिलाफ अपील की है जबकि पूर्व खिलाड़ियों ने सही नतीजों के लिए तकनीक के अधिक उपयोग की मांग की। मैच के सुपर ओवर में जाने से पहले टीवी फुटेज से पता चला कि स्क्वेयर लेग अंपायर मेनन ने 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर क्रिस जोर्डन को 'शॉर्ट रन के लिए टोका था। टीवी रिप्ले से हालांकि जाहिर था कि जोर्डन का बल्ला क्रीज के भीतर था जब उन्होंने पहला रन पूरा किया। मेनन ने कहा कि जोर्डन क्रीज तक नहीं पहुंचे हैं जिससे मयंक अग्रवाल और पंजाब के स्कोर में एक ही रन जोड़ा गया। तकनीकी साक्ष्य होने के बावजूद फैसला नहीं बदला गया। आखिरी ओवर में पंजाब को 13 रन चाहिए थे और पहली तीन गेंद पर अग्रवाल ने 12 रन बनाए। पंजाब की टीम एक रन पीछे रह गई और मैच सुपर ओवर में चला गया जिसमें दिल्ली ने जीत दर्ज की। किंग्स इलेवन पंजाब के सीईओ सतीश मेनन ने कहा कि हमने मैच रैफरी से अपील की है। इंसान से गलती हो सकती है लेकिन आईपीएल जैसे विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में इसकी कोई जगह नहीं है। वह एक रन हमें प्लेआफ से वंचित कर सकता है। उम्मीद है कि नियमों की समीक्षा होगी ताकि इस तरह की गलती की गुंजाइश नहीं रहे।

आईपीएल 2020 : चेन्नई के लिए आई अच्छी खबर, रुतुराज गायकवाड जुड़े टीम से

शारजाह । कोरोना वायरस के संक्रमण से उबरने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड टीम से जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी जानकारी दी। गायकवाड और दीपक चाहर आईपीएल के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचने पर कोरोना संक्रमित पाए गए थे और इन खिलाडियों को क्वारंटीन में रहना पड़ा था। इन दो खिलाडियों के अलावा चेन्नई के अन्य 11 सदस्य भी कोरोना की चपेट में आए थे। चाहर आईपीएल शुरु होने से पहले ही टीम से जुड़ गए थे और टीम की गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत में खेले थे। गायकवाड मुंबई के खिलाफ पहले मुकाबले में टीम में शामिल नहीं थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वह मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चेन्नई के मुकाबले में खेलेंगे या नहीं। आईपीएल प्रोटोकॉल के अनुसार जो खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है उसे 14 दिनों तक क्वारंटीन में रहना होता है तथा दो टेस्ट नेगेटिव आने पर ही वह खिलाड़ी टीम के साथ जुड़कर ट्रेनिंग शुरु कर सकता है। आईपीएल प्रोटोकॉल के अनुसार जो खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है उसे 14 दिनों तक क्वारंटीन में रहना होता है तथा दो टेस्ट नेगेटिव आने पर ही वह खिलाड़ी टीम के साथ जुड़कर ट्रेनिंग शुरु कर सकता है।

आईपीएल 2020 : विराट कोहली ने ट्विटर पर अपना नाम सिमरनजीत रखा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर आगामी के कप्तान विराट कोहली ने अपने ट्विटर अकाऊंट पर नाम विराट कोहली से सिमरनजीत सिंह कर लिया है। दरअसल, पूरी दुनिया इस समय कोरोना वायरस से पीड़ित है। ऐसे में इस महामारी से लडने वाले नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए विराट कोहली ने यह बड़ा कदम उठाया है। वह अपनी जर्सी पर सिमरनजीत लिखकर मैदान पर उतरेंगे। आरसीबी ने बाकायदा सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इसकी घोषणा की। एक वीडियो के दौरान कोहली कोविड-19 के नायकों को सलाम करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही आरसीबी के अन्य खिलाड़ी भी 'माय कोविड हीरोज' स्लोगन वाली जर्सी पहने हुए दिखते हैं। आरसीबी सीजन के अपने पहले मैच के दौरान खिलाडियों द्वारा पहनी जाने वाली जर्सी की नीलामी भी करेगी। इससे जो आय होगी उसे फाऊंडेशन में डोनेट कर दिया जाएग। साथ ही साथ आरसीबी के प्लेयर कोविड-19 नायकों की प्रेरणादायक कहानियां भी सोशल मीडिया पर साझा करेंगे। वहीं, कोहली ने कहा- पिछले कुछ महीनों में जब भी मैंने कोविड हीरोज की कहानियां सुनी हैं, तो इसने मुझे शाब्दिक रूप से गोजबम्प्स दिए हैं। इन वास्तविक चुनौती देने वालों ने देश को गौरवान्वित किया है और हम सभी को एक बेहतर कल के निर्माण के लिए अपने प्रयासों के लिए अधिक सतत और समर्पित होने के लिए प्रेरित किया है। मैं आरसीबी के 'माई कोविड हीरोज' की जर्सी पहनकर सचमुच गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

विश्व चैम्पियन

मेगनस कार्लसन और वेसली सो बने सेंट लुईस रैपिड ब्लिट्ज़ सयुंक्त विजेता

सेंट लुईस ,यूएसए ।

सेंट लुईस रैपिड और ब्लिट्ज़ का सयुंक्त खिताब आखिरकार विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और अमेरिका के वेसली सो के नाम सयुंक्त रूप से रहा और दोनों खिलाड़ियों मे कुल 90000 अमेरिकन डॉलर को 45000 डॉलर प्रति खिलाड़ी करके बाँट दिया गया । दरअसल रैपिड मे आखिरी राउंड मे कार्लसन को पीछे छोड़कर वेसली सो विजेता बन गए थे और ब्लिट्ज़ मे कार्लसन को ना सिर्फ खिताब जीतना था बल्कि 1.5 की बढ़त वेसली से बनानी थी पर ऐसा नहीं हुआ और दोनों खिलाड़ियों के बीच रैपिड और ब्लिट्ज़ के कुल मिलाकर 24 अंक रहे । अमेरिका के हिकारु नाकामुरा 21 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे और उन्हे 35000 अमेरिकन डॉलर का पुरुष्कार दिया गया । 18.5 अंक के साथ अर्मेनिया ले लेवोन अरोनियन और रूस के अलेक्जेंडर ग्रीसचुक सयुंक्त चौथे स्थान पर रहे और दोनों लो 27000 डॉलर का पुरुष्कार दिया गया । रूस के इयान नेपोनियची 18 अंक बनाकर छठे स्थान पर रहते हुए 20000 डॉलर अपने नाम करने मे कामयाब रहे । अब बात भारत के पेंटाला हरिकृष्णा की जो अमेरिका के जेफ्री जियांग के साथ सयुंक्त सातवे स्थान पर रहे और उन्हे 14000 अमेरिकन डॉलर का पुरुष्कार मिला ।

हरि के लिए ब्लीट्ज़ का आखिरी दिन निराशाजनक रहा और अंतिम 9 ब्लीट्ज़ मे उन्हे 4 हार 1 जीत और 4 ड्रॉ का परिणाम मिला । फीडे के अलीरेजा फिरौजा और अमेरिका के लिनियर दोमिंगेज को 12.5 अंक बनाने पर सयुंक्त नौवा स्थान और 11000 डॉलर का पुरुष्कार दिया गया ।

सुनील गावस्कर ने केकेआर टीम पर दिया बड़ा बयान, कहा - इस खिलाड़ी को बनाना चाहिए कप्तान

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारत के पूर्व महान् क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कोलकता नाईट राईडर्स की टीम पर बड़ा बयान दिया है। सुनील गावस्कर ने कहा कि केकेआर की टीम के पास बढ़िया मध्यक्रम के बल्लेबाज़ हैं। इयोन मोर्गन के आने से टीम को ओर मजबूत मिलेगी। अगर शुरूआती मैचों में केकेआर की टीम को सफलता नहीं मिलती है तो वह टीम को कप्तान के रूप में इयोन मोर्गन को देख सकती है। सुनील गावस्कर ने बयान में कहा कि केकेआर के पास बढ़िया बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ हैं जो मैच जीताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। टीम में इयोन मोर्गन भी हैं जो टीम को अच्छा संतुलन देते है। बतौर कप्तान अगर दिनेश कार्तिक अगर अच्छा प्रदर्शन नहीं करते तो उनकी जगह टीम मैनजमैंट मोर्गन को भी कप्तान बना सकती है। उन्होंने कहा कि मोर्गन के पास कप्तानी का अच्छा अनुभव है। वे केकेआर की टीम को मुश्किल समय पर अपनी सलाह दे सकते हैं और कप्तानी भी कर सकते हैं।मोर्गन के रूप में केकेआर के पास एक अच्छा खिलाड़ी मौजूद है। केकेआर की टीम को इसका फायदा उठाना चाहिए। वहीं गावस्कर ने पैट कमिंस पर बयान देते हुए कहा कि कमिंस पर प्राइज़ टैग का काफी दबाव होगा।

कमिंस का प्राइज़ टैग आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर काफी प्रभाव डालेगा। मोर्गन के रूप में केकेआर के पास एक अच्छा खिलाड़ी मौजूद है। केकेआर की टीम को इसका फायदा उठाना चाहिए। वहीं गावस्कर ने पैट कमिंस पर बयान देते हुए कहा कि कमिंस पर प्राइज़ टैग का काफी दबाव होगा। कमिंस का प्राइज़ टैग आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर काफी प्रभाव डालेगा।

आईपीएल में गेल के नाम दर्ज हैं तीन बड़े रिकॉर्ड, जिन्हें तोड़ पाना है बेहद मुश्किल

स्पोर्ट्स डेस्क ।

अपनी अक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर क्रिस गेल आज अपना 41वां जन्मदिन मना रहे हैं। विंडीज टीम के बल्लेबाज आज किसी पहचान मोहताज़ नहीं हैं। गेल का बल्ला आईपीएल में खूब बोलता है। क्रिस गेल के नाम आईपीएल के ऐसे रिकॉर्ड हैं जिन्हें तोड़ पाना किसी भी दूसरे बल्लेबाज़ के लिए मुश्किल साबित होगा। तो आईए नज़र डालते हैं क्रिस गेल के उन रिकॉर्ड्स पर आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने साल 2013 में आरसीबी की तरफ से खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ नाबाद 175 रन का पारी खेली। इस पारी में गेल ने महज़ 30 गेंदों पर शतक जड़ आईपीएल का सबसे तेज़ शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। गेल के बल्ले से आईपीएल में खूब रन बरसते हैं और वे गेंदबाज़ों के ऊपर कहर बनकर टूटते हैं। यही वजह है कि गेल आईपीएल इकलौते ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने आईपीएल में लगातार दो बार 700 या उससे अधिक रन बनाए हों। गेल अपने अधिकतर रन चौकों छक्कों से ही बनाते हैं। यही कारण है कि गेल के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। गेल ने आईपीएल में 324 छक्के लगाए हैं उनके बाद किसी बल्लेबाज़ का नाम आता है ।

तो वह एबी डीविलियर्स का है जिनके नाम 211 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है।

बुमराह बोले- रोहित की कप्तानी में खेलने से आत्मविश्वास बढ़ा, जहीर के लिए कही प्यारी बात

अबुधाबी । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि मुंबई इंडियन्स में रोहित शर्मा की कप्तानी में मिलने वाली आजादी ने करियर के लिहाज से उनके आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है। बुमराह रोहित के नेतृत्व में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खिताब को 4 बार जीतने वाली इस फ्रेंचाइजी के अहम सदस्य हैं। बुमराह ने कहा- अपनी बात करूं तो, उन्होंने (रोहित) मुझे हमेशा आजादी दी है, उन्होंने हमेशा मुझे खुद के मुताबिक गेंदबाजी करने के लिए कहा है। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हो वह कहते हैं कि आप अपनी गेंदबाजी की जिम्मेदारी खुद लें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और जिम्मेदारी का अहसास होता है कि मैं जो भी करुंगा उसके लिए खुद जिम्मेदार रहूंगा। उन्होंने कहा- यह किसी भी कप्तान के लिए बड़ी बात है क्योंकि इससे गेंदबाजों का आत्मविश्वास काफी बढ़ता है। वह आप पर और आपके फैसले पर भरोसा करते हैं। यह बहुत ही सकारात्मक संकेत है। बुमराह के अलावा टीम के दूसरे साथी खिलाड़ी और मुंबई इंडियन्स के कोचिंग से जुड़े सदस्य भी रोहित की कप्तानी की तारीफ करते है। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम के आधिकारिक ट्विटर पर जारी वीडियो में कहा- वह मैदान में दूसरे खिलाड़ी से सुझाव लेने में हिचकते नहीं हैं। मैंने कई बार देखा है मुश्किल या दबाव की स्थिति में वह शांत और एकाग्र रहते हैं। वह उस दौरान कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटते। टीम के कोच और श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने रोहित को 'सहज कप्तान' जबकि जहीर खान को दिमाग वाला क्रिकेटर करार दिया। टीम के कोचिंग दल में शामिल पूर्व भारतीय गेंदबाज जहीर ने कहा- वह बहुत ही शांत स्वभाव वाले खिलाड़ी हैं। जब वह बल्लेबाजी करते हैं, तो उनकी शैली में कलात्मकता होती है। आप उसे असल कलात्मकता कह सकते हैं लेकिन जब खेल के बारे में सोचने की बात होती है तो उनका दिमाग बहुत तेज चलता है।

हार पर बोले केएल राहुल- हमने जो योजना बनाई उसमें हम फंस गए

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स ने दुबई के मैदान पर पंजाब के खिलाफ सुपर ओवर में गया मैच जीत लिया। मैच हारने के बाद केएल राहुल ने कहा- अगर 10 ओवर के अंत में, अगर आपने कहा होता कि यह मैच सुपरओवर में जा रहा है, तो मैंने इसे ले लिया होता। यह अभी भी हमारा पहला खेल है, यहां बहुत कुछ सीखने को है। मयंक आज अविश्वसनीय था। वह जिस तरह खेल को आगे बढ़ा गया वह जादूई था। वह टेस्ट में अच्छा कर रहे हैं। उनका आत्मविश्वास अच्छा है। राहुल बोले- जैसा कि मैंने टॉस में कहा था, हमें नहीं पता था कि क्या करना है। विकेट दोनों टीमों के लिए समान है, इसलिए वास्तव में शिकायत नहीं कर सकते। मैं खुशी से इसे कप्तान के रूप में ले जाऊंगा चाहे परिणाम कुछ भी हो। हमने जो योजना बनाई थी उसमें हम फंस गए लेकिन हमने कुछ गलतियां कीं। 55 पर 5 विकेट गंवाकर भी हम सकारात्मक थे । बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 157 रन बनाए थे। श्रेयस अय्यर ने 39, पंत ने 31 तो स्टोइनिस ने 53 रन बनाए। पंजाब की ओर से शमी ने 15 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं जवाब में खेलने उतरे मयंक अग्रवाल ने 60 गेंदों में 7 चौके और चार छक्कों की मदद से 89 रन बनाए। लेकिन अंतिम ओवरों में गड़बड़ी से मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। जहां पंजाब के बनाए 3 रन दिल्ली ने आसानी से हासिल कर लिया।

सुपर ओवर फेंकने वाले रबाडा से नहीं बल्कि इस क्रिकेटर से इंप्रेस हुए पोंटिंग

दुबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उन्हें हरफनमौला खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन की चोट के बारे में जल्द पता चलेगा। अश्विन ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मैच के दौरान रविवार को अपने पहले ओवर में 2 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। हालांकि, ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने एक रन बचाने के चक्कर में डाइव लगा दी। इससे उनके कंधे में चोट आ गई। टीम फिजियो पैट्रिक फरहार्ट मैदान पर आए और अश्विन को साथ ही बाहर ले गए। पोंटिंग ने ट्विटर पर लिखा- अभी भी सुबह से गूंजन चल रही है! जिस तरह से हम अपनी शुरुआत के बाद लड़े, उससे पहले से ही रोमांचित थे। बैट और बॉल दोनों से स्टोइनिस और एक गुणवत्ता सुपर ओवर के साथ कागिसो रबाडा आए। रविचंद्रन अश्विन की चोट के बारे में और पता लगाएंगे। उम्मीद है कि वह ठीक हैं। सुपर किंग्स के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। मैच में मार्कस स्टोइनिस ने शानदार प्रदर्शन किया और सिर्फ 21 गेंदों पर 53 रन बनाए। दोनों टीमों ने निर्धारित 20 ओवरों में 157 रन बनाए थे। अंतिम ओवर में, पंजाब को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। मयंक अग्रवाल ने पहली तीन गेंदों पर 12 रन बनाए लेकिन स्टोइनिस ने शानदार वापसी की। स्टोइनिस ने अंतिम दो गेंदों पर दो विकेट लेने से पहले डॉट बॉल फेंकी, जिससे मैच सुपर ओवर में चला गया।

कोविड-19 के कारण तनाव में आया हॉकी स्ट्राइकर मनदीप सिंह, कही यह बात

बेंगलुरु ।

पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्ट्राइकर मनदीप सिंह ने अपने करियर के दौरान कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया है, लेकिन उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद उससे उबरने के दौरान बिताया गया समय उनके लिए सबसे 'तनावपूर्ण' रहा है। मनदीप सिंह, कप्तान मनप्रीत सिंह सहित उन छह पुरुष हॉकी खिलाडियों में से एक हैं, जिन्हे राष्ट्रीय शिविर के लिए यहां पहुंचने के बाद पिछले महीने कोविड-19 परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया था। मनदीप यहां अस्पताल में भर्ती होने वाले पहले खिलाड़ी थे। कोविड-19 से उबरने के बाद सभी छह खिलाडियों ने अपने व्यक्तिगत अभ्यास सत्र को फिर से शुरु कर दिया है। हॉकी इंडिया से जारी मीडिया विज्ञप्ति में मनदीप ने कहा- हमने इस महामारी के घातक होने के बारे में पढ़ा और सुना है ऐसे में मुझे लगता है कि कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद पहले कुछ दिन तनावपूर्ण और चिंतित करने वाले थे। उन्होंने कहा- एक पेशेवर हॉकी खिलाड़ी के रूप में मैंने कुछ सबसे कठिन मैच स्थितियों का सामना किया है, लेकिन मैंने कभी इस तरह के तनाव को महसूस नहीं किया था। भारत के लिए 2019 सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा- मैं इससे पहले कभी एंबुलेंस में नहीं गया था, कभी गंभीर रूप से चोटिल भी नहीं हुआ हूं। ऐसे में यह सब मेरे लिए एक नया अनुभव था। बीमारी से उबरने के बाद हॉकी इंडिया ने हमें आराम करने के लिए घर लौटने का विकल्प दिया था, लेकिन हम यहीं रहना चाहते थे और दल के बाकी सदस्यों से फिर से मिलना चाहते है। कोविड-19 से संघर्ष के दौरान टीम प्रबंधन से मिली मदद और समर्थन से 25 साल का यह खिलाड़ी काफी संतुष्ट है।

मनदीप ने कहा- हमारे पास रॉबिन अर्केल के रूप एक बहुत अच्छा प्रशिक्षक है और वह जानता है कि हमें कितनी मेहनत करनी है। हम इस समय नियमित कार्य-भार का केवल 50-60 प्रतिशत काम कर रहे हैं और रोजाना सिर्फ एक सत्र में भाग ले रहे है। उन्होंने कहा- मुख्य कोच ग्राहम रीड भी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि हम सत्र के दौरान कैसा महसूस करते हैं। समूह के बाकी लोगों के साथ फिर से जुड़कर आना अच्छा लग रहा है। मैं पूरी तरह से ठीक होने से राहत महसूस कर रहा हूं। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मंगलवार से फिर से शुरू होने पर मनदीप ने कहा कि दुनिया भर में खेल गतिविधियों के फिर से शुरू होने से उन्हें अच्छा लग रहा है।

2019 विश्व कप में अंबाती रायडू को न चुनना भारतीय टीम की सबसे बड़ी गलती : शेन वॉटसन

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल सीज़न 13 के पहले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अंबाती रायडू ने शानदार 71 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी पर शेन वॉटसन ने बड़ा बयान दिया है। वॉटसन ने कहा कि 2019 की विश्व कप की भारतीय टीम में अंबाती रायडू का न होना भारतीय टीम का दुर्भाग्य था। वॉटसन ने बयान रायडू की बल्लेबाज़ी पर बात करते हुए कहा कि वह बहुत टैलेंटिड बल्लेबाज़ है। मेरे मुताबिक 2019 की भारतीय विश्व कप की टीम में रायडू को न चुनना भारतीय टीम इसी का नुकसान झेलना पड़ा। जिस तरह उन्होंने मुंबई के खिलाफ बल्लेबाज़ी की और मैदान के चारों ओर रन बरसाए वह देखने लायक था। उन्होंने एक बार फिर खुद को साबित किया कि उनमें कितनी क्षमता है। बता दें कि 2019 की भारतीय टीम अंबाती रायडू को नहीं चुना गया था जिस पर खूब विवाद हुआ था। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने भारतीय टीम के चयन पर सवाल उठाए थे और रायडू को भारतीय टीम में शामिल करने की बात की थी। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने भारतीय टीम के चयन पर सवाल उठाए थे और रायडू को भारतीय टीम में शामिल करने की बात की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृषि बिल पर हंगामा, राहुल गांधी बोले- घमंडी सरकार लोकतांत्रिक भारत की दबा रही आवाज़

नेशनल डेस्क। कृषि संबंधी विधेयकों के राज्यसभा में पारित होने के बाद से देश का माहौल गरमा गया है। संसद से लेकर सड़कों तक विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार इस बिल के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराते हुए मोदी सरकार पर हमला बोला । राहुल गांधी ने सोमवार को अपने ट्वीट में लिखा कि लोकतांत्रिक भारत की आवाज़ दबाना जारी : शुरुआत में उन्हें चुप किया गया, और बाद में काले कृषि कानूनों को लेकर किसानों की चिंताओं की तरफ से मुंह फेरकर संसद में सांसदों को निलंबित किया गया। राहुल गांधी ने लिखा कि इस सर्वज्ञ सरकार के अंतहीन अहंकार ने पूरे देश के लिए आर्थिक संकट ला दिया है। वहीं इससे पहले राहुल गांधी ने संसद में कृषि संबंधी विधेयकों के पारित होने के बाद आरोप लगाया कि सरकार ने इन विधेयकों के रूप में किसानों के खिलाफ 'मौत का फरमान निकाला है। उन्होंने ट्वीट किया कि जो किसान धरती से सोना उगाता है, मोदी सरकार का घमंड उसे खून के आंसू रुलाता है। राज्यसभा में आज जिस तरह कृषि विधेयक के रूप में सरकार ने किसानों के ख़लिाफ़ मौत का फरमान निकाला, उससे लोकतंत्र शर्मिंदा है।

केंद्र सरकार ने बताया- बीएसएफ , सीआरपीएफ और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में करीब 1 लाख वैकेंसियां

नेशनल डेस्क। बीएसएफ और सीआरपीएफ जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में एक लाख से ज्यादा पोस्ट खाली पड़ी हैं तथा ज्यादातर पद सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और मृत्यु के कारण खाली हुए हैं। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल में सबसे ज्यादा रिक्तियां (28,926) हैं, इसके बाद केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में(26,506), केन्द्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में (23906), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में (18,643), भारत तिब्बत सीमा पुलिस आईटीबीपी में (5,784) और असम राइफल्स में (7328) पद रिक्त हैं। नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सीएपीएफ और असम राइफल्स में रिक्तियां सेवानिवृत्ति, इस्तीफे, मृत्यु, नए इकाई के बनाने, नए पदों के सृजन, कैडर समीक्षा आदि के कारण उत्पन्न होती हैं। इन रिक्तियों में से अधिकतर कांस्टेबल ग्रेड में हैं। राय ने कहा कि इन रिक्तियों को भरने के लिए एक स्थापित प्रक्रिया है जैसे मौजूदा प्रावधानों के अनुसार सीधी भर्ती, पदोन्नति और प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भर्ती की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने में रिक्त पदों को भरने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं, जो एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में, कांस्टेबल के 60,210 पदों के लिए भर्ती की प्रक्रिया, कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से उप-निरीक्षकों के 2,534 पद और संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सहायक कमांडेंट के 330 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

महाराष्ट्र: भिवंडी इमारत हादसे में NDRF टीम ने मलबे में दबे बच्चे की बचाई जान

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के भिवंडी नगर में सोमवार तड़के तीन मंजिला एक इमारत के गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। मलबे से अभी तक एक बच्चे सहित पांच व्यक्तियों को निकाला गया है। ठाणे आपदा प्रतिक्रिया बल (टीडीआरएफ) के कर्मी मलबे से एक बच्चे को निकालते और उसे पानी पिलाते देखे गए। बच्चे को अस्पताल में भेज दिया गया है। भिवंडी, ठाणे से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित एक नगर है। एक निकाय अधिकारी ने बताया कि धमनकर नाका के पास नरपोली में पटेल परिसर स्थित इमारत तड़के 3 बजकर 40 मिनट पर गिर गई। हादसे के समय उसमें रहने वाले लोग सोए हुए थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की एक टीम भी मौके पर पहुंची है। ठाणे नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत का एक हिस्सा धराशायी हो गया और इमारत में रहने वाले कई लोग मलबे में फंस गए। अभी यह भी पता नहीं चल पाया है कि यह इमारत निगम द्वारा घोषित जीर्ण-शीर्ण इमारतों की सूची में शामिल थी या नहीं।

डेढ़ माह में 3 बार दिल्ली को दहलाने की साजिश हुई नाकाम, आतंकी हमलों के मद्देनजर अलर्ट पर

नई दिल्ली। एनआईए ने शनिवार को बंगाल और केरल से 9 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। ये आतंकवादी दिल्ली-एनसीआर में हमले की तैयारी कर रहे थे। आतंकवादियों को पाकिस्तानी हैंडलर ड्रोन से हथियार भेजने वाला था, लेकिन उसे बीएसएफ और सेना ने नाकाम कर दिया, जिसके बाद इनका मसूबां पुरा नहीं हो सका। एनआईए के मुताबिक इनका प्लान दिल्ली में सरोजिनी नगर,दिल्ली हाईकोर्ट, कनॉट प्लेस, संसद भवन के आसपास के इलाका, केंद्र सरकार के मंत्रालय में विस्फोट करने की साजिश रची थी। एनआईए के मुताबिक अलकायदा के गिरफ्तार आतंकी करीब एक साल से स्लीपर मॉडयूल के तहत भारत में रहकर छोटे-छोटे काम कर रहें थे। इन्हें जुलाई माह में टारगेट मिला था कि दिल्ली में आतंकी वारदात को अंजाम देना है, लेकिन दिल्ली में बढ़ते कोरोना और हाल में स्पेशल सेल द्वारा पकड़े गए 2 आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद इसे टाल दिया गया, लेकिन एकाएक अगस्त के अंतिम सप्ताह में दोबारा एक्टिव होने के निर्देश दिए गए। इन लोगों ने दिल्ली की पुरी रेकी कर ली थी और इनके पास दिल्ली के कई संवेदनशील इलाकों की ब्लूप्रिंट भी मौजूद थे। बस इन्हें इंतजार था हथियार और विस्फोटक सामान का, जो बंगलादेश और नेपाल के जरिए इन्हें दी जानी थी। फिलहाल एनआईए इनके अन्य सदस्य की तलाश में जुट गई है। एनआईए की जांच के तहत पाकिस्तानी हैंडलर हमजा ड्रोन के जरिए कश्मीर में हथियार भेजने वाला था, जहां शनिवार को गिरफ्तार किए गए मुर्शिद को जाकर असाइनमेंट रिसीव करना था, जिसके बाद इसे ट्रेन और कार के जरिए दिल्ली पहुंचाना था। मुर्शिद हसन मॉड्यूल का लीडर है। वह अर्नाकुलम में एक दूकान पर मजदूरी का काम कर रहा था। उसने सोशल मीडिया पर कई जिहादी और कट्टरपंथी पोस्ट शेयर किए थे। मुर्शिद अलकायदा से जुड़े पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में था। हथियारों की डिलीवरी लेने के लिए उसे ही जाना था। अलकायदा का सबसे मजबूत आंतकी जो कंप्युटर साइंस में ग्रेजुएशन कर रहा था इसने सोशल नेटवर्क के जरिए कई युवाओं को जिहादी विचारधारा के लिए तैयार किया था। इन्हीं के जरिए वे दिल्ली में अपनी पैठ बना रहा था। बताया जाता है साकिब के शब्द इतने सटीक होते थे कि युवा जल्द उसकी बातों में आ जाते थे।

राज्यसभा में हंगामा करने वालों पर कार्रवाई, सभापति नायडू ने डेरेक ओ ब्रायन समेत 8 सांसदों को किया

नेशनल डेस्क।

विपक्ष के निलंबित सदस्यों के सदन में मौजूद रहने पर आज राज्यसभा की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के दौरान ही मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान विधियां संशोधन विधेयक पेश कर दिया। उल्लेखनीय है कि कल सदन में कृषि क्षेत्र से जुड़े दो विधेयकों को पारित किये जाने के दौरान विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया था। इसी मुद्दे को लेकर सोमवार सुबह में कार्यवाही शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडु ने विपक्ष के आठ सदस्यों को सात दिनों के लिए निलंबित कर दिया और सदन की कार्यवाही सुबह 9.40 बजे 10 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।सभापति ने सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि के लिए कल का दिन सबसे खराब था। मैं डेरेक ओ ब्रायन का नाम लेता हूं कि सदन से बाहर जाएं। अगर कल मार्शल्स को सही समय पर नहीं बुलाया जाता तो उपाध्यक्ष के साथ क्या होता ये सोचकर मैं परेशान हूं। इसके बाद कार्यवाही शुरू होने पर उप सभापति हरिवंश ने मानव संसाधन विकास मंत्री को विधेयक पेश करने के लिए कहा। इसके बाद निशंक विधेयक पेश करने लगे। इसी दौरान संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने कहा कि नियम 256 के तहत सदन से निलंबित सदस्यों को कार्यवाही के दौरान मौजूद नहीं रहना चाहिए और उन्हें सदन से बाहर जाने के बाद ही कार्यवाही चल सकती है। इस पर हरिवंश ने निलंबित सदस्यों का नाम पुकारते हुये उन्हें सदन से बाहर जाने के लिए कहा। इस पर विपक्षी सदस्य कहने लगे कि विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए। इस पर हरिवंश ने कहा कि निलंबित सदस्य जब सदन से बाहर चले जायेंगे तब विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दी जायेगी। इस दौरान निशंक विधेयक पेश कर दिया।

इसके बाद वह विधेयक के बारे में बताने लगे तभी उपसभापति ने सदन की कार्यवाही सुबह 10.06 बजे से 10.36 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। इसके बाद कार्यवाही शुरू होने पर भी स्थिति पहले जैसी ही बनी रही जिसके कारण मात्र दो मिनट में सदन की कार्यवाही फिर से आंधे घंटे के लिए ।

मृतक भाई की आखिरी निशानियां पाने के लिए महिला ने लगाई मोदी से गुहार, ट्वीट वायरल होते ही मिला इंसाफ

नई दिल्ली। मानवता की एक मिसाल पेश करते हुए दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने कर माफ करते हुए एक महिला को उसके भाई का सामान दिलाने में मदद की। महिला के भाई का हाल ही में अमेरिका में निधन हो गया था। शुभ्रा गोयल ने ट्विटर पर मदद मांगी थी। उनके भाई का सामान अमेरिकी अधिकारियों ने निजी कोरियर से भारत भेजा था। महिला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टैग करते हुए शनिवार को ट्वीट किया था, अभी हमारा परिवार इस स्थिति में नहीं है कि इस राशि का भुगतान कर सके। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप कृपया उसकी अंतिम स्मृतियों पर सीमा शुल्क राशि को माफ करवा कर इस मुश्किल घड़ी में उसकी स्मृतियां प्राप्त करने में हमारी सहायता करें। दिल्ली के सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा था कि सामान यहां न्यू कोरियर टर्मिनल में पड़ा है और अभी सीमा शुल्क अधिकारियों के पास नहीं आया है। इसके बाद दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने रविवार को ट्वीट किया कि सामान को अनुराग ठाकुर ने भी ट्वीट किया था कि महिला के अनुरोध को शीघ्र पूरा करने के लिए केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क (सीबीआईसी) और दिल्ली सीमा शुल्क द्वारा कार्रवाई की गई। उत्तराखंड के कोटद्वार से उन्होंने कहा, मैं सीमा शुल्क अधिकारियों की दिल से शुक्रगुजार हूं। हम सीमा शुल्क अदा करने की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने दुख की इस घड़ी में परिवार की मदद कर मानवता का एक बड़ा काम किया है। शुभ्रा के ट्वीट के अनुसार उनके भाई अर्पित गोयल का अमेरिका के बुफालो शहर में 26 अगस्त को निधन हो गया था। अर्पित का पार्थिव शरीर परिवार को पांच सितम्बर को मिला था। शुभ्रा के ट्वीट के अनुसार उनके भाई अर्पित गोयल का अमेरिका के बुफालो शहर में 26 अगस्त को निधन हो गया था। अर्पित का पार्थिव शरीर परिवार को पांच सितम्बर को मिला था। अर्पित का पार्थिव शरीर परिवार को पांच सितम्बर को मिला था।

राज्यसभा में कृषि बिल पास होने पर बोली कांग्रेस, देश के इतिहास के लिए 'काला दिन'

नई दिल्ली।

राज्य सभा में विपक्ष के हंगामे के बीच रविवार को कृषि से जुड़े दो बिल पास हो चुके हैं। कृषि बिल पास होने के बाच विपक्षी दल राज्यसभा के उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। इस बीच कांग्रेस ने कृषि बिल पर कहा कि राज्यसभा में किसान संबंधी विधेयक को जिस तरह से पारित कराया गया है वह असंवैधानिक तथा किसानों के खिलाफ है और इससे के दिन को देश के इतिहास में 'काला दिन के रूप में याद किया जाएगा। कांग्रेस नेता अहमपद पटेल, प्रताप सिंह बाजवा, अभिषेक मनु सिंघवी तथा शक्तिसिंह गोहिल ने रविवार को यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस विधेयक को राज्यसभा में जिस तरह से पारित कराया गया है वह लोकतंत्र की हत्या है। सरकार के इसी रवैये को देखते हुए पार्टी उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लायी है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले भी मनमानी करती रही है। वह पहले भूमि अधिग्रहण विधेयक लेकर आयी थी लेकिन उसे इस विधेयक को वापस लेना पडा और अब खेती को कारपोरेट क्षेत्र को देना चाहते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर जो बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं उसमें सत्यता नहीं है। यह कानून पूरी तरह से किसानों के खिलाफ है और इससे उन्हें भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में किसानों के संबंध में जो बात भारतीय जनता पार्टी कह रही है उसमें सच्चाई नहीं है और जब सरकार से इस बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं तो उस पर वह कोई जवाब नहीं दे रही है। कांग्रेस नेता प्रताप सिहं बाजवा ने कहा कि यह विधेयक इस समय लाने की जरूरत नहीं थी। इससे किसानों को भारी नुकसान होने वाला है। उनका कहना था कि इस समय पूरी सेना गलवान घाटी में चीन से मुकाबले के लिए खडी है और देश के समक्ष एक संकट है इसलिए विधेयक इस समय नहीं लाया जाना चाहिए था। अगर यह विधेयक लाना ही था तो अगले साल लाया जा सकता था लेकिन सरकार को अपने कारपोरेट मित्रों का जल्द फायदा पहुंचाना था इसलिए वह यह विधेयक लेकर आयी है। सिंघवी ने कहा कि विपक्ष ने मत विभाजन मांगा लेकिन सरकार ने क्रूरता से कानून पारित कर दिया और नियमों की धज्जियां उडा दी है। यह विधेयक संघीय ढांचे के विरुद्ध है। सिंघवी ने कहा कि विपक्ष ने मत विभाजन मांगा लेकिन सरकार ने क्रूरता से कानून पारित कर दिया और नियमों की धज्जियां उडा दी है। यह विधेयक संघीय ढांचे के विरुद्ध है। नियमानुसार यह पारित ही नहीं हुआ है। इसी स्थिति को देखते हुए कांग्रेस ने व्यापक अविश्वास का प्रस्ताव पेश किया है। नियमानुसार यह पारित ही नहीं हुआ है। इसी स्थिति को देखते हुए कांग्रेस ने व्यापक अविश्वास का प्रस्ताव पेश किया है।

इंदौर ने शर्मसार कर दिया! 87 साल के बुजुर्ग की कोरोना से मौत, अस्पताल में शव को कुतर गए चूहे

इंदौर ।

इंदौर में कोरॉना के मरीज तो बढ़ रहे ही हैं। साथ ही मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। ऐसे में निजी अस्पतालों की लापरवाही भी बढ़ चढ़ कर सामने आ रही है। ऐसी ही एक बड़ी लापरवाही इंदौर के यूनिक अस्पताल में सामने आई जहां बीती रात मरीज कि मौत हो गई और शव को अस्पताल में चूहों ने कुतर दिया। परिजनों की मानें तो अस्पताल प्रबन्धन की लापरवाही के चलते लाश कि दुर्गती हुई है। इतना सब होने की बाद भी अस्पताल की तानाशाही लगातार सामने आ रही है। आपको बता दें कि यह अस्पताल अन्नपूर्णा थाना खेत में स्थित है। जहां पर 4 दिन पहले नवीन चंद जैन नामक एक शख्स अस्पताल में भर्ती हुआ था। लेकिन रविवार देर रात उसकी मौत हो गई। जिसकी उम्र लगभग 58 वर्ष बताई जा रही है। परिजनों का यह आरोप था कि अस्पताल प्रबंधन ने पहले सवा लाख रुपए जमा कराए। जिसके बाद मरीज का इलाज शुरू कराया गया, परिजनों का यह भी आरोप था, कि शरीर के कई अंग अस्पताल प्रबंधन ने निकाल लिए हैं लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने इस बात की पुष्टि नहीं की गई। अस्पताल मामले को लेकर परिजनों की मानें तो अस्पताल में शव को चूहों ने खा लिया।

जिसके बाद परिजनों ने हंगामा किया। मौके पर पुलिस ने शव को पहले रवाना किया और उसके बाद परिजनों से यह कहा कि यदि आपकी कोई शिकायत है तो पुलिस मामला दर्ज करेगी। लेकिन यह कोई पहला मामला नहीं है, कि शव के साथ इस तरह की बर्बरता हुई है और एक बार फिर इंसानियत शर्मसार हुई है।

दिल्ली के होटल में टूरिस्ट गाइड से सामूहिक बलात्कार, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के होटल में एक टूरिस्ट गाइड से दो लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पीड़िता को रियायती दरों पर कर्ज दिलाने का लालच देकर शुक्रवार रात को वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता से संपर्क कर उसे रियायती दरों पर कर्ज देने के बहाने होटल में बुलाया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपियों ने होटल के कमरे में कथित तौर पर गाइड का बलात्कार किया। उन्होंने कहा कि पीड़िता ने शनिवार को इस बाबत अपनी शिकायत दी। शिकायत के आधार पर कनॉट प्लेस थाने में एक महिला समेत छह आरोपियों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार का एक मामला दर्ज किया गया है। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त ईश सिंघल ने कहा, इस मामले में मनोज शर्मा नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया जो मालवीय नगर में रहता है। अधिकारी ने कहा कि शर्मा पेशे से ठेकेदार है। उन्होंने कहा कि जिस कमरे में वारदात को अंजाम दिया गया।

विपक्षी सांसदों का निलंबन सरकार की तानाशाही मानसिकता: ममता

कोलकाता।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कृषि संबंधी विधेयकों को पारित कराने के दौरान हंगामा करने वाले विपक्ष के आठ सांसदों को शेष सत्र के लिये निलंबित किये जाने को सरकार की तानाशाही मानसिकता का परिचायक बताते हुए सोमवार को इस लड़ाई को सड़क से संसद तक लडने का ऐलान किया। राज्यसभा में रविवार को कृषि विधेयकों पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के सांसदों ने जमकर हंगामा किया था। सभापति एम. वेंकैया नायडू इस की घटना से नाराज दिखे और कड़ी कारवाई करते हुए हंगामा करने वाले आठ सांसदों को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। बनर्जी ने सांसदों के निलंबन को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा, च्च् किसानों के हितों की आवाज उठा रहे आठ सांसदों का निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण है और यह सरकार की तानाशाही सोच को दर्शाता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का सम्मान नहीं करती है। हम पीछे हटने वाले नहीं है और हम इस फासीवादी सरकार के खिलाफ संसद से सड़क तक लडगें। इस बीच नायडू ने आज सदन की कार्यवाही के शुरु होने पर कहा, च्च् कल का दिन राज्यसभा के लिए बहुत खराब दिन था। कुछ सदस्य सदन के बीचों-बीच तक आ गए औैर उपसभापति के साथ धक्कामुक्की की गई। कुछ सांसदों ने कागजों को फेंका । माइक को तोड़ दिया रूल बुक फेंका गया । घटना से बेहद दुखी हूं। उपसभापति को धमकी दी गई । यही नहीं उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गयी। निलंबित सांसदों में डेरेक ओ ब्रायन, संजय सिंह, रिपुन बोरा, सैयद नजीर हुसैन, केके रागेश, ए करीम, राजीव सातव और डोला सेन हैं।

महाराष्ट्र-भिवंडी में इमारत गिरने से 10 की मौत, कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका

नेशनल डेस्क।

महाराष्ट्र के भिवंडी नगर में सोमवार तड़के तीन मंजिला एक इमारत के गिर जाने से सात बच्चों और तीन अन्य व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि चार वर्षीय बच्चे सहित 11 लोगों को मलबे से निकाला गया। पुलिस ने बताया कि करीब 10 लोगों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि 43 वर्ष पुरानी झिलानी इमारत आज तड़के तीन बजकर 40 मिनट पर गिर गई। पुलिस ने बताया कि मलबे में फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। एक निकाय अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों में एक दो वर्षीय एक बच्चा भी शामिल है। ठाणे आपदा मोचन बल (टीडीआरएफ) के कर्मी मलबे से उबेद कुरैशी नाम के एक बच्चे को निकालते और उसे पानी पिलाते देखे गए। भिवंडी, ठाणे से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित एक पावरलूम नगर है। एक अधिकारी ने बताया कि इस इमारत में 40 फ्लैट थे और करीब 150 लोग इस इमारत में रहते थे। एक निकाय अधिकारी ने बताया कि धमनकर नाका के पास नरपोली में पटेल कम्पाउंड स्थित इमारत जिस समय गिरी, उस समय उसमें रहने वाले लोग सो रहे थे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। एनडीआरएफ के महानिदेशक एस. एन. प्रधान ने बताया कि टीमें मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने के लिए एक श्वान दस्ते का इस्तेमाल कर रही हैं। ठाणे नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत का एक हिस्सा धराशायी हो गया और इमारत में रहने वाले कई लोग मलबे में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि यह इमारत भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के जीर्ण-शीर्ण इमारतों की सूची में शामिल नहीं थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि इमारत के गिरने के तत्काल बाद निवासी मौके पर पहुंचे और लोगों को मलबे से निकालने में मदद की। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति रोक दी गई है। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

केरल में भारी बारिश, 10 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम।

केरल में सोमवार को भारी बारिश जारी है और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और पड़ोस में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के बाद 10 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कोट्टयम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़, मालापुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कुंडला, कल्लारकुट्टी, मलंकारा और पोनमुडी बांध के दरवाजे खोल दिए गए हैं जिससे पेरियार, मुतीरापुझा और मुवाट्टुपुझा नदियों में जलस्तर बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया, रविवार को तिरुवनंतपुरम में एक व्यक्ति की मौत हुई। भारी बारिश और तेज हवा की वजह से टूटे बिजली के तार की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। प्राधिकरण ने बताया, हमें सोमवार सुबह में कासरगोड में भी एक व्यक्ति की मौत की खबर मिली है लेकिन अभी तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। मौसम बुलेटिन में बताया गया है कि बंगाल की खाड़ी के उत्तर पूर्व और पड़ोस में निम्न दबाव का क्षेत्र बना है और यह अगले दो-तीन दिन में पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा। जिला अधिकारी ने बताया कि इडुक्की जलाशय में उसकी क्षमता का 80 फीसदी पानी है। पिछले 24 घंटे में राज्य में औसत सात सेंटीमीटर बारिश हुई है।कासरगोड जिले में कल हुई बारिश में कम से कम आठ घर क्षतिग्रस्त हो गए । राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की तीन इकाइयां रविवार को केरल पहुंच गईं और इन्हें वायनाड, मालापुरम और त्रिशूर जिले में तैनात किया गया है। इडुक्की और कोझिकोड जिले में पहले ही दो टीमें तैनात हैं। कासरगोड जिले में कल हुई बारिश में कम से कम आठ घर क्षतिग्रस्त हो गए । राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की तीन इकाइयां रविवार को केरल पहुंच गईं और इन्हें वायनाड, मालापुरम और त्रिशूर जिले में तैनात किया गया है। इडुक्की और कोझिकोड जिले में पहले ही दो टीमें तैनात हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी रिपोर्टर का दावा- पाक में फ्रांसिसी कार्टून मुद्दे की आड़ में आंतकी संगठन सक्रिय

पेशावर।

फ्रांस में छपे एक विवादित कार्टून का मुद्दा उठाते हुए जैश ए मोहम्मद एक बार फिर पाकिस्तान में सक्रिय हो गया है। यह दावा किया है पाकिस्तान के ही एक प्रसिद्ध पत्रकार ताहा सिद्दीकी ने। सिद्दीकी ने अपने ट्ववीटर पर पाकिस्तान की सड़कों पर हो रहे एक प्रदर्शन का वीडियो शेयर करते हुए लिखा जैश ए मोहम्मद एक बार फिर पाकिस्तान में सक्रिय। इस बार फ्रांस में तथाकथित कार्टून का मुद्दे आड़ में आतंकी संगठन पैर पसार रहा है । उन्होंने लिखा कि आखिर कब तक पाकिस्तान और मुसलमानों के बीच ऐसे लुकाछिपी का खेल चलता रहेगा। पैगंबर मोहम्मद को चित्रित करने वाले कार्टून को फिर से दिखाने के लिए हजारों पाकिस्तानी सड़कों पर उतर आए हैं । और हैरानी की बात यह है कि इन प्रदर्शनों में आतंकवादी समूह भी भाग लेते दिख रहे हैं। बता दें कि फ्रांस की मैगजीन शार्ली हेब्डो में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून फिर से प्रकाशित करने के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं । पिछले सप्ताह, फ्रांस की व्यंग्यात्मक पत्रिका शार्ली हेब्डो ने पैगंबर मोहम्मद के उन विवादित कार्टूनों को फिर से छापा है जिसे लेकर साल 2015 में उसके दफ्तर को आंतकी हमले का निशाना बनाया गया था। शार्ली हेब्डो ने साल 2015 में हुए आतंकी हमले के ट्रायल की शुरुआत होने से पहले इन कार्टून को फिर से छापने का फैसला किया। 7 जनवरी, 2015 में मैगजीन के दफ्तर पर हुए आतंकी हमले में फ्रांस के कुछ मशहूर कार्टूनिस्टों समेत 12 लोगों की मौत हो गई थी। कुछ दिन बाद पैरिस में इसी से जुड़े एक अन्य हमले में पांच लोगों की जान चली गई थी। पाकिस्तान ने फ्रांस की मैगजीन के पैगंबर मोहम्मद के विवादित कार्टून को फिर से छापने के फैसले की कड़ी आलोचना की। पाकिस्तान के धार्मिक नेताओं ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। विरोध-प्रदर्शनों में हजारों लोग इकठ्ठा हुए ।

पाकिस्तान में सेना व इमरान सरकार के खिलाफ बगावतः सारी विपक्षी पार्टियां हुईं एकजुट

पेशावर।

पाकिस्तान में सेना और इमरान खान सरकार के खिलाफ बगावत का बिगुल बजता दिखाई दे रहा है जिससे देश की राजनीति में बड़ा भूचाल आ सकता है। पाक के इतिहास में शायद पहली बार सारी विपक्षी पार्टियां सेना के खिलाफ एकजुट हो गई हैं। शुक्रवार को तमाम विपक्षी पार्टियों की ऑल पार्टी कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इसमें शामिल हुए। नवाज ने प्रधानमंत्री इमरान खान और सरकार पर कई आरोप लगाए। सबसे खास बात यह है कि नवाज ने बिना नाम लिए फौज पर निशाना साधा। पाकिस्तान में आमतौर पर नेता फौज से खिलाफ बोलने से डरते हैं। एपीसी में कहा गया कि इमरान फौरन इस्तीफा दें और देश में नए सिरे से चुनाव हों। सरकार के खिलाफ अगले महीने से आंदोलन चलाने की तैयारी भी की जाएगी। नवाज का रुख इमरान के प्रति बहुत ज्याद सख्त नहीं दिखा। लेकिन, उन्होंने सेना पर बिना नाम लिए निशाना साधा। नवाज ने कहा- इमरान सरकार के खिलाफ हमारा आंदोलन शुरू होने जा रहा है। हम इस सरकार को हटाकर रहेंगे। ये सरकार तो बैसाखियों पर चल रही है। अगर चुनाव सही तरीके से होते तो ये सरकार कभी नहीं आ सकती थी। लोगों ने वोट लूटे गए हैं। सच्चाई तो ये है कि पाकिस्तान में इस तरह की चीजें होती रही हैं। पाकिस्तान मतों की लूट की प्रयोगशाला बन गया है। नवाज ने

कहा- पाकिस्तान में हर तानाशाह ने औसतन 9 साल राज किया। इमरान के दो साल पूरे हो गए हैं। इससे ज्यादा वो सरकार नहीं चला पाएंगे। जिन्होंने सरकार और उसके स्पॉन्सर्स के खिलाफ आवाज उठाई, उन्हें कोर्ट में घसीटा जा रहा है,।

कैलिफोर्निया में कोरोना से 15 हजार से अधिक लोगों की मौत, संक्रमण दर में कमी

लॉस एंजलिस।

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 15 हजार से अधिक हो गई है जबकि संक्रमण के मामलों में कमी आई है। अमेरिका के 'जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार रविवार को कैलिकॉर्निया में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15,027 हो गई। देश में वायरस से मौत के मामले में कैलिफोर्निया चौथे नंबर पर है। कोविड-19 से सबसे अधिक 33,087 लोगों की मौत न्यूयॉर्क में हुई है। इस सूची में दूसरे नंबर पर न्यू जर्सी और तीसरे पर टेक्सास है। कैलिफोर्निया में अभी तक कोविड-19 के 7,75,00 मामले सामने आए हैं। हालांकि हाल ही में यहां संक्रमण दर कम हो गई है।

अस्पतालों में भी अब 2700 से कम मरीज भर्ती हैं, जो अप्रैल के बाद से सबसे कम है। वहीं आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या भी गिरकर 850 से कम हो गई है।

इसराईल में नेतान्याहू के खिलाफ फूटा जनता का क्रोध, प्रदर्शन फिर शुरू

यरुशलम।

हजारों इसराईली प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू के खिलाफ रविवार को मध्य यरुशलम में उनके सरकारी आवास के बाहर अपना साप्ताहिक प्रदर्शन फिर से शुरू कर दिया। हालांकि पूरे देश में एक नया लॉकडाउन आदेश लागू किया गया है जिसका उद्देश्य देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाना है। पिछले शुक्रवार को लागू तीन सप्ताह के लॉकडाउन में एक अपवाद को शामिल किया गया था जिसमें लोगों को सार्वजनिक प्रदर्शन करने की इजाजत दी गई थी। प्रदर्शन में शामि कई प्रदर्शनकारी हालांकि सामाजिक दूरी के नियम को नजरंदाज करते दिखे।

प्रदर्शनकारियों से कहा गया है कि वे छोटे-छोटे समूहों में रहें। पूरे ग्रीष्मकाल में हजारों लागों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। उनकी मांग है कि नेतान्याहू अपने पद से इस्तीफा दे दें क्योंकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में सुनवायी चल रही है। इसराईल के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव के पास स्थित बनेई ब्राक नगर में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और सार्वजनिक प्रार्थनाओं पर पाबंदियों के खिलाफ कचरा जलाया। प्रदर्शन यहूदी नववर्ष की छुट्टी समाप्त होने के कुछ घंटे बाद फिर से शुरू हो गए। नेतान्याहू सरकार ने छुट्टी शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले नया लॉकडाउन लागू कर दिया था। इसराईल में पहला लॉकडाउन मार्च और अप्रैल में लागू किया गया था। नेतान्याहू पर धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और तीन अलग अलग मामलों में रिश्वत स्वीकार करने के आरोप हैं। उनके खिलाफ आपराधिक सुनवायी जून में शुरू हुई थी लेकिन उन्होंने पद छोड़ने से इनकार कर दिया है और अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-चीन के बीच कोर कमांडर की बैठक आज, लद्दाख में भारतीय सेना ने पकड़ की मजबूत

नेशनल डेस्क। भारत और चीन की सेनाओं के बीच कोर कमांडरों की छठे दौर की वार्ता आज फिर से होने जा रही है। इसमें मुख्य रूप से पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के सैनिकों को पीछे हटाना और तनाव घटाने पर बनी पांच सूत्री सहमति के क्रियान्वयन पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वहीं इससे पहले भारत ने पैंगोंग झील के तनातनी के इलाके में करीब 20 से ज्यादा चोटियों पर अपने को और मजबूत कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पहली बार विदेश मंत्रालय से एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी के इसमें हिस्सा होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि भारत इस वार्ता में कुछ ठोस नतीजे निकलने की उम्मीद कर रहा है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से अलग 10 सितंबर को मास्को में विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच हुई एक बैठक में दोनों पक्ष सीमा विवाद हल करने पर एक सहमति पर पहुंचे थे। इन उपायों में सैनिकों को शीघ्रता से हटाना, तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई से बचना, सीमा प्रबंधन पर सभी समझौतों एवं प्रोटोकॉल का पालन करना और एलएसी पर शांति बहाल करने के लिये कदम उठाना शामिल हैं। वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह करने वाले हैं जो लेह स्थित भारतीय थल सेना की 14 वीं कोर के कमांडर हैं। जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व मेजर जनरल लियू लिन के करने की संभावना है, जो दक्षिण शिंजियांग सैन्य क्षेत्र के कमांडर हैं। एक सूत्र ने कहा कि वार्ता में भारत टकराव वाले स्थानों से चीनी सैनिकों को पूर्ण रूप से हटाये जाने पर जोर देगा। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्ष एक और दौर की वार्ता करने जा रहे हैं, वहीं भारत ने पैंगोंग झील के करीब टकराव वाले स्थानों के आसपास 20 से अधिक पर्वत चोटियों पर अपना वर्चस्व मजबूत कर लिया है।

अमेरिका के टेक्सास में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास प्रांत एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय मीडिया ने टेक्सास डिपाटमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के एक अधिकारी के हवाले से रविवार को बताया कि ह्यूस्टन से करीब 200 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में हिलटॉप लेक एयरपोर्ट के पास सुबह 11 बजे से पहले विमान दुर्घटना में दो पुरुषों और दो महिलाओं की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारी ने कहा कि पायलट ने आपात स्थिति में विमान को उतराने का प्रयास कर रहा था और दुर्घटना होने से पहले संघीय उड्डयन प्रशासन के साथ रेडियो संपर्क में था। निश्चित कार्यक्रम के अनुसार, विमान ने टेक्सास के हॉर्सशो बे से सुबह 10 बजे से पहले लुइसियाना के नैचिटोचेस के लिए उड़ान भरी थी।

चीन में सुरक्षित नहीं मीडियाकर्मी, ऑस्ट्रेलिया के पत्रकार ने सुनाई अत्याचार की पूरी कहानी

इंटरनेशनल डेस्क।

बीजिंग में काम कर चुके ऑस्ट्रेलिया के एक पत्रकार ने दावा किया कि दो साल पहले चीन छोड़ने से पहले कम्युनिस्ट देश ने उन्हें और उनकी 14 वर्षीय बेटी को हिरासत में लेने की धमकी दी थी। मैथ्यू कार्ने ने बताया कि उन्होंने अब तक 2018 की घटना का खुलासा नहीं किया था क्योंकि चीन में 'ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन (एबीसी) के संचालन पर इसका नकारात्मक परिणाम पड़ सकता था। सरकारी वित्तपोषित 'एबीसी और समाचार पत्र 'ऑस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू के लिए काम करने वाले दो पत्रकार भी दो सप्ताह पहले चीन से वापस लौट आए थे। इनके लौटने के बाद चीन में अब ऑस्ट्रेलिया का कोई पत्रकार नहीं है। कार्ने 2018 में 'एबीसी के चीन ब्यूरो के प्रमुख थे, जब ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को रेखांकित करते हुए कानून पारित किया था। उन्होंने कहा कि कानून आने के बाद से ही उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। कार्ने ने 'एबीसी रेडियो को दिए साक्षात्कार में इस घटना का खुलासा किया। चीन ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कार्ने ने बताया कि उनसे उनकी 14 वर्षीय बेटी यासमीन को बीजिंग सार्वजनिक सुरक्षा केन्द्र लाने को कहा गया था। एक महिला अधिकारी ने बताया था कि उनके तथा उनकी बेटी के खिलाफ 'वीजा अपराध के मामले में जांच चल रही है। कार्ने ने कहा कि उन्हें कहा गया कि आपकी बेटी 14 साल की है।

वह चीनी कानूनी के तहत एक वयस्क है और चूंकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना कानून का पालन करने वाला एक देश है, इसलिए उन पर वीजा अपराध का आरोप लगाया जाएगा। कार्ने ने बताया कि महिला अधिकारी ने कहा था ।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने मार गिराए चार आतंकवादी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने कम से कम चार आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को खुफिया सूचना के आधार पर अवारान जिले के मध्य मकरान क्षेत्र में अभियान चलाया था। बयान के अनुसार, इस दौरान आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करके भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और संचार उपकरण बरामद किये गए। सेना ने कहा कि इस दौरान आतंकवादियों के प्रशासनिक शिविरों को भी तबाह कर दिया गया। बयान में कहा गया है कि शनिवार को एक अन्य घटना में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के स्पालगा इलाके में एक अभियान के दौरान आतंकवादियों के साथ हुई गोलीबारी में कम से कम दो सैनिकों की मौत हो गई। सैनिकों ने तलाशी अभियान के लिये इलाके की घेराबंदी की थी।

दक्षिण फिलीपींस में भूकंप के जोरदार झटके

मनीला। फिलीपींस के दक्षिणी प्रांत सुरिगाओ डेल सुर में सोमवार को तड़के भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए है। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ सीस्मोलॉजी एंड ज्वालामुखी (फिवोलक्स) ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई है। संस्थान ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 0613 बजे मिंडानाओ द्वीप पर बयाबास शहर से करीब 66 किमी उत्तर-पूर्व में भूकंप के झटके महसूस किए। भूकंप का केन्द्र 77 किमी की गहराई में स्थित था। संस्थान ने बताया कि सुरिगाओ डेल प्रांत में सुरीगाओ शहर और मिज़ामिस ओरिएंटल प्रांत में गिंगोगोग सिटी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि भूकंप के गहराई में होने के कारण नुकसान नहीं होगा। प्रशांत ''रिंग ऑफ फायर होने के कारण फिलीपींस में अक्सर भूकंप आते रहते है।

ब्राजील में ट्रक और यात्री वैन की टक्कर में 12 लोगों की मौत

ब्राजीलिया। ब्राजील में मिनस गेरैस प्रांत के पाटोस डी मिनस शहर में हाइवे पर एक ट्रक और यात्री वैन की टक्कर में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मिनस गेरैस में फेडरल हाइवे पुलिस के अनुसार दुर्घटना उस समय हुई जब वैन श्रमिकों को ले जा रही वैन विपरीत लेन में प्रवेश कर क्योंकि उस क्षेत्र में घास के मैदान की आग से सड़क पर गिर गए एक पेड़ को हटाने की कोशिश की जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में वैन में यात्रा कर रहे 12 लोगों में से 11 और ट्रक चालक की मौत हुई है। क्षेत्रीय दैनिक एस्टाडो डी मिनस के अनुसार वैन नियमित रूप से खेत श्रमिकों को विभिन्न क्षेत्रों में लाती ले जाती थी।

खुफिया दस्तावेजों से खुलासाः चीन ने डिटेंशन कैंप में कैद कर रखे 80 लाख मुसलमान

बीजिंग।

चीन में उइगर मुस्लमों पर किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ पूरी दुनिया में आवाज उठ रही है। अब तक माना जा रहा था कि चीन ने 10 लाख उइगरों को कैद कर रखा है लेकिन अब एक रिपोर्ट में इनआकंड़ों को लेकर चौकाने वाला खुलासा हुआ है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी शिनजियांग में उइगर और अन्य समुदायों के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी बड़े पैमाने पर डिटेंशन सेंटर को चला रही है में जहां राजनीतिक असंतोष को दबाने का काम होता है। इसके अलावा उइगुर मुसलमानों को प्रताड़ित करने का काम भी किया जा रहा है। चीनी सरकार इसे व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र का नाम दे रही है। द सन की रिपोर्ट के अनुसार चीन ने अपने डिटेंशन कैंप्स में शिनजियांग प्रांत के 80 लाख उइगुर मुसलमानों को कैद कर रखा है। पेइचिंग के एक खुफिया दस्तावेज में बताया गया है कि चीनी सरकार अपनी सक्रिय श्रम और रोजगार नीतियों के माध्यम शिनजियांग के लोगों के सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन को बेहतर बना रही है। इस दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि लगभग 8 मिलियन (80 लाख) मुसलमानों को अलग-अलग डिटेंशन कैंप्स में रखा गया है। शिनजियांग की 29 साल की महिला मिहरिगुल तुर्सुन ने अमेरिकी राजनेताओं को बताया कि वह 2018 में चीन के इस कैंप से भाग निकली थीं। उन्होंने कि इस कैंप में चीनी अधिकारी इतनी यातनाएं देते थे कि मन करता था कि इसके बजाए मैं मर जाऊं या उनसे अपनी मौत की भीख मांगू। एक और उइगर कायरात समरकंद ने कहा कि उन्हें प्रताड़ित करने के लिए धातु का बना बख्तरबंद पहनाया जाता था। वे मुझ पर उसे पहनने के लिए दबाव डालते थे। चीनी सैनिक उसे मेटल सूट कहते थे। 50 किलो के इस सूट को पहनने के बाद मेरे हाथ और पैर काम करना बंद कर देते थे। मेरे पीठ में भी भयंकर दर्द होता था। उइगुर मुसलमानों पर अत्याचार को लेकर अभी तक किसी भी मुस्लिम देश ने चीन का खुलकर विरोध नहीं किया है। दुनियाभर के मुसलमानों के मसीहा सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के मुंह से उइगुरों को लेकर आज तक एक शब्द नहीं निकला है। ये सभी देश इस मामले में पड़कर चीन की दुश्मनी मोल नहीं लेना चाहते। जबकि, धरती के दूसरे किसी भी हिस्से में मुसलमानों को लेकर इनका रवैया एकदम सख्त रहता है। हालांकि चीनी नेता इसका खंडन करते हैं। वे इस डिटेंश कैंप्स को व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र बताते हैं। चीन सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी शिनजियांग में 2014 से 2019 तक 415,000 उइगुर मुस्लिमों को कैद कर रखा गया था। इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें एक से ज्यादा बाद कैद किया गया है। कुल मिलाकर अभी 8 मिलियन से ज्यादा लोग चीन के डिटेंशन कैंप्स में कैद हैं। अमेरिका ने 9 जुलाई को उइगुर मुसलमानों के मानवाधिकार हनन के मामले में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया था।

नेपाल के एक और हिस्से पर किया कब्जा, सरहद के भीतर बनाई 9 इमारतें

काठमांडू। चीन द्वारा दूसरे देशों पर कब्जे की नीयत से निर्माण जारी है। ठंड के मौसम और नेपाली सुरक्षाकर्मियों की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर चीन नेपाल की जमीन पर धीरे धीरे कब्जा करता जा रहा है। इस बार चीन ने मामला नेपाल के हुम्ला जिले के नाम्खा गांव में गुपचुप तरीके से 9 भवनों का निर्माण कर लिया है। चीन की दादगिरि सिर्फ यहीं तक नहीं बल्कि जिस जगह पर उसने भवनों का निर्माण किया है, उसके आस पास भी नेपाल के नागरिकों का प्रवेश भी रोक दिया है। यह खुलासा तब हुआ जब उस गांवपालिका के अध्यक्ष विष्णु बहादुर लामा सीमावर्ती क्षेत्र में घूमने गए। उन्होंने बताया कि लिमी गांव के लाप्चा क्षेत्र में चाइनीज सैनिकों ने एक साथ ही 9 भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया है। अपने गांवपालिका के भीतर ही सीमावर्ती क्षेत्र में इन भवनों का निर्माण कैसे और किसने किया? इस बात की जानकारी लेने के लिए जब गांवपालिका के अध्यक्ष विष्णु बहादुर लामा वहां पहुंचे तो उन्हें उस तरफ आने से रोका गया। लामा ने फोन पर बताया कि बार बार पूछताछ करने के बाद वहां भवन निर्माण के काम में लगे चीनी सैनिक अपना सामान लेकर चीनी सीमा में प्रवेश कर गए। अपने मोबाइल से बहुत दूर से ही उन निर्मित भवन का फोटो लेकर भेजने वाले लामा ने बताया कि दोनों देशों की सीमा से एक किमी नेपाल के तरफ इन भवनों को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सीमा की सुरक्षा में रहे चीन के सैन्य अधिकारियों से भी उन्होंने बात करने की कोशिश की, लेकिन उनके तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया और उनको उस क्षेत्र से चले जाने को कहा गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बताया कि पिछले साल जब चीनी पक्ष के तरफ से लिमी और लापचा के बीच सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा था।

दुनिया भर में 3.09 करोड़ लोग आए कोरोना की चपेट में, मौतों की संख्या 10 लाख के करीब

इंटरनेशनल डेस्क।

विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से तीन करोड़ नौ लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.59 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,09,29,163 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,59,528 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 67,99,266 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,99,474 लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 86,961 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 54 लाख को पार कर 54,87,580 हो गया। वहीं इस दौरान 1130 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 87,882 हो गयी है। ब्राजील में अब तक 45,44,629 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,36,895 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,98,958 पहुंच गई हैं तथा 19,349 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,62,865 लोग संक्रमित हुए हैं और 31,369 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलम्बिया में इस वायरस से अब तक 7,65,076 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 24,208 है। वहीं मेक्सिको ने कोरोना से प्रभावित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया है। यहां इससे अब तक 697,663 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 73,493 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 6,61,211 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 15,953 हो गयी हैं। स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 6,40,040 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 30,495 लोगों की मृत्यु हुई है। अर्जेंटीना कोरोना संक्रमित मामलों में 10वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 6,31,365 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 13,053 है। चिली में कोरोना से 4,46,274 लोग संक्रमित हो चुके है तथा 12,286 लोगों की मौत हुई है। कोरोना से प्रभावित फ्रांस में इसकी चपेट में अब तक 4,67,614 लोग आए हैं तथा 31,257 लोगों की मृत्यु हुई है। ईरान में अब तक इस महामारी से 4,22,140 संक्रमित है जबकि 24,301 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में कोरोना से अब तक 3,96,744 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41,866 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण मामलों में बंगलादेश सऊदी अरब से आगे निकल गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 3,48,918 हो गई है तथा 4,939 लोगों की मौत हो चुकी है। सऊदी अरब में कोरोना के 3,29,754 मामले सामने आए हैं जबकि 4,485 लोगों की मौत हो चुकी हैं। पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 3,06,304 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6,420 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3,02,867 हो गयी है और 7,506 लोगों की मौत हो चुकी है।

इराक में संक्रमितों की संख्या 3,19,035 है वहीं 8,555 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में इस जानलेवा विषाणु से 2,98,156 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 35,707 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में अब तक 2,86,743 लोग इस वायरस की चपेट में आए हैं तथा 9,390 लोगों की मौत हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखनऊ कोर्ट जाते समय प्रेमी युगल ने जहर खाकर दे दी जान,

बरेली/लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ से भाग कर उप्र के ही बरेली शहर में पति–पत्नी की तरह रह रहे एक प्रेमी युगल को जब कोर्ट में पेषी के लिए वापस ला रही थी तब दोनों ने पुलिस अभिरक्षा में ही जहर खाकर जान दे दी। दोनों को राजधानी पुलिस रविवार देर रात में बरेली से लखनऊ लेकर आ रही थी। रास्ते में दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिन्हें ट्रामा सेंटर लाया गया। चिकित्सकों ने सोमवार सुबह दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय ने बताया ।

होटल में महिला की गला दबाकर की हत्या

आगरा (एजेंसी)। शहर के एक होटल में सोमवार सुबह रहने आये प्रेमी युगल की थोड़ी ही देर बाद कमरे के अंदर आपस में कुछ विवाद हो गया। इसके बाद युवक ने महिला की बेल्ट से गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक सिकंद. रा थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे एक प्रेमी युगल ने 'चेक इन' किया था। पुलिस के मुताबिक कुछ देर बाद युवक होटल से निकल कर कहीं बाहर चला गया। काफी देर तक युवक ने आया तो होटल के स्टाफ ने रूम में जाकर देखा। वहां महिला की लाश पड़ी मिली। होटल स्टाफ ने तुरंत मामले की सूचना नजदीकी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस के मुताबिक युवक और महिला में किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा, इसके बाद युवक ने बेल्ट से महिला की गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस को छानबीन में होटल एक आईडी मिली है, जिसमें संदीप नामक युवक का नाम दर्ज है वह बरेली जिले के फुरसतगंज कॉलोनी का रहने वाला बताया जा रहा है।

पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सार–समाचार

दो नाबालिक किशोरियों ने गूलर के पेड़ पर फासी से लटक कर दी जान।

बहराइच के थाना राम गांव क्षेत्र के ग्राम लोनियन पुरवा में दो किशोरियों का शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बहराइच के थ. ाना राम गांव क्षेत्र के लोनियन पुरवा में दो किशोरियों की फांसी से लटकी लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। दोनों किशोरिया गहरी दोस्ती। आज दोनों घर से घास काटने की बात बता कर घर से निकली थी। बाद में उनका शव पेड़ से लटका मिला है अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अशोक कुमार ने बताया कि थाना राम गांव क्षेत्र के ग्राम पंचायत धर्मनपुर के ग्राम लोनियन पुरवा में दो लड़कियां जो क्रमश:17 वर्ष और 15 वर्ष दोनों पड़ोस में रहती थी। दोनों के बीच काफी प्रगाढ़ दोस्ती थी। दोनों साथ साथ घर का काम करती थी और खेत का काम भी साथ साथ ही करती थी। आज दोनों की लाश गांव के बाहर पेड़ से लटकी मिली हैं। दोनों ने एक दूसरे की ओर मुंह करके फांसी लगाई है ऐसा प्रतीत होता है।अपर पुलिस अध ीक्षक ग्रामीण ने बताया कि गांव में पूछताछ के दौरान पता चला है कि दोनों के घर वाले इन दोनों की दोस्ती से खुश नहीं थे। एक के पिता द्वारा उसे मिलने से मना किया गया था। उन्होंने बताया कि उनमें से एक लड़की ने आज अपने घर पर खाना बनाया चाय पी लेकिन खाना नहीं खाया। दोनों सुबह खेत से घास काटने के बहाने घर से निकल गई। बाद में परिजनों को पता चला कि उनके शव गांव के बाहर पेड़ से लटके हुए हैं। उन्होंने बताया कि किशोरियों के परिजन किसी से किसी प्रकार की रंजिश या अन्य किसी प्रकार की आशंका से इंकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई जा रही है। साथ ही आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। यह किस कारण से किशोरियों ने आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे उसके आधार पर आगे विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बैंक कर्मी लगायी फांसी सहकर्मियों पर लगाया आरोप

गोरखपुर (एजेंसी)। रामगढ़ झील क्षेत्र की गौतम विहार विस्तार कालोनी में पीएनबी मेटलाइफ के 38 वर्षीय कर्मचारी जय प्रकाश राय ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उनके कमरे से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने अपने सहकर्मियों पर परेषान करने व दबाव बनाने की बात लिखी है। पुलिस ने शव

को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से गाजीपुर निवासी जय प्रकाश राय पत्नी और बच्चों को साथ तारामंडल के गौतम विहार विस्तार कालोनी में संजय सिंह के मकान में किराए पर रहते थे। वह शहर में पीएनबी मेटलाइफ में कर्मचारी थे। उन्होंने रविवार की रात में कमरे में बिजली के केबल तार से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सोमवार सुबह उनकी पत्नी और मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर फंदे से शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को मृतक के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है।

प्रॉपर्टी डीलर को दो किमी. दौड़ाकर दिन दहाड़े मारी गोली

गोरखपुर (एजेंसी)। शहर में सोमवार की दोपहर एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट सुनायी पड़ी। प्रॉपर्टी डीलरों के दो गुट कैंट क्षेत्र के सिंघड़िया में भिड़ गया। मारपीट के बाद दोनों गुट के लोगों ने 10 राउंड से अधि ाक फायरिंग की। घटना के बाद बाइक से भाग रहे प्रॉपर्टी को दूसरे गुट के लोगों ने दो किलोमीटर पीछा कर मोहद्दीपुर क्षेत्र में बीच सड़क पर गोली मार दी। घटना के बाद भगदड़ मच गई। वारदात के बाद आरोपित असलहा लहराते बाइक और कार से फरार हो गए। प्रॉपर्टी डीलर को उसके साथी जिले अस्पताल ले गए जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। आरोपितों की तलाश में पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम छापेमारी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक खोराबार का रहने वाला सुनील पासवान और भगत चैराहा निवासी जितेंद्र यादव प्रॉपर्टी डीलिंग करते हैं।

दोनों के बीच एक जमीन को खरीदने को लेकर के विवाद चल रहा है। इस बात को लेकर दो दिन पहले दोनों गुट के बीच कहासुनी हुई थी। सोमवार को सुनील पासवान अपने साथियों के साथ कार से शहर की तरफ आ रहा था। कैंट क्षेत्र में बिशुनपुरवा मोड़ पर जितेंद्र यादव ने अपने साथियों संग सुनील को घेर लिया। कहासुनी मारपीट के बाद दोनों गुट के बीच फायरिंग शुरू हो गई। मौके पर करीब 10 राउंड गोली चली जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ। इस बीच सुनील ने फोन कर अपने साथियों को बुला लिया। जिसके बाद जितेंद्र पक्ष के लोग बाइक लेकर भाग निकले। आरोप है कि सुनील ने अपने साथियों के साथ इनका पीछा शुरू कर दिया मोहद्दीपुर में आरकेबीके के पास जितेंद्र को पकड़ने के बाद बीच सड़क पर घेरकर कर पीटने के बाद पेट और हाथ में गोली मार दी।

दो आईपीएस व तीन पीसीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश सरक. ार ने सोमवार को दो आईपीएस व तीन पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिया। गृह विभाग के मिली जानकारी के अनुसार सोनम कुमार को अपर पुलिस अधीक्षक, गोरखपुर का कार्यभार सौंपा गया है। इसके पहले वह अपर पुलिस उपायुक्त, लखनऊ के पद पर तैनात थे। वहीं, आईपीएस आदित्य लांग्हे को अपर पुलिस अधीक्षक वाराणसी के पद पर भेजा गया है। वह अभी तक अपर पुलिस अध ीक्षक लखनऊ के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।

इसके अलावा, प्रदेश में तीन पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए। इनमें एक वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी व दो डिप्टी कलेक्टर शामिल हैं।

राजस्व परिषद से संबद्ध राजकुमार द्विवेदी को जौनपुर का मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) बनाया गया है।

जौनपुर में विधानसभा का एक उपचुनाव प्रस्तावित है। उप जिलाधिकारियों में सदानंद गुप्ता को बुलंदशहर से फिरोजाबाद, आशीष कुमार सिंह को रायबरेली से बुलंदशहर व मंजूर अहमद को फिरोजाबाद से राजस्व परिषद स्थानांतरित किया गया है।

बेटियों को सुमंगला योजना को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश सरकार कटिबद्ध'

कानपुर नगर, जनपद की कन्याओं को स्वास्थ्य व शिक्षा का प्रोत्साहन देने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। इस उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों को मजबूत बनाने हेतु कन्या सुमंगला योजना चलाकर बालिकाओं को शिक्षा प्रदान कर मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री अभय कुमार ने बताया है कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत अब तक कुल 8798 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है। इस योजना के अन्तर्गत लाभार्थी का परिवार उत्तर प्रदेश का निवासी हो तथा उसके पास स्थायी निवास प्रमाण पत्र हो, जिसमें राशन कार्ड/आध ार कार्ड/वोटर पहचान पत्र/विद्युत/टेलीफोन का बिल मान्य होगा, लाभार्थी की पारिवारिक वार्षिक आय अधिकतम रू0–3.00 लाख हो, किसी परिवार की अधि ाकतम दो ही बच्चियों को योजना का लाभ मिल सकेगा, लाभार्थी के परिवार में अधिकतम दो बच्चे हों, किसी महिला को द्वितीय प्रसव से जुड़वा बच्चे होने पर तीसरी संतान के रूप में लड़की को भी लाभ अनुमन्य होगा, यदि किसी महिला को पहले प्रसव से बालिका है व द्वितीय प्रसव से दो जुड़वा बालिकायें ही होती है तो केवल ऐसी अवस्था में ही तीनों बालि. काओं को लाभ अनुमन्य होगा, यदि किसी परिवार ने अनाथ बालिका को गोद लिया हो, तो परिवार की जैविक संतानों तथा विधिक रूप में गोद ली गयी संतानों को सम्मिलित करते हुये अधिकतम दो बालिकायें इस योजना की लाभार्थी होगी। ऐसे लाभार्थी जो इस योजना के अन्तर्गत उपरोक्त पात्रता रखते हो वह अपना आव. `दन ऑनलाइन बेवसाईट http//mksy.up.gov.in पर कर सकते है।

कन्या सुमंगला योजना में एक मुश्त योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को छः श्रेणियों में लाभ दिया जाना है, जो प्रथम श्रेणी में बालिका के जन्म होने पर रू0 2000 एक मुश्त, द्वितीय श्रेणी में बालिका के एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण के उपरान्त रू0 1000 एक मुश्त, तृतीय श्रेणी में कक्षा प्रथम में बालिका के प्रवेश के उपरान्त रू0 2000 एक मुश्त, चतुर्थ श्रेणी में कक्षा 06 में बालिका के प्रवेश के उपरान्त रू0 2000 एक मुश्त, पंचम श्रेणी में कक्षा 09 में बालिका के प्रवेश के उपरान्त रू0 3000 एक मुश्त, षष्टम श्रेणी में ऐसी बालिकायें जिन्होंने कक्षा 10 वीं/12वीं उत्तीर्ण करके स्नातक डिग्री या कम से कम दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लिया हो, ऐसी बालिकाओं को रू0 5000 ध नराशि निर्धारित है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया है कि समाज की ऐसी महिलायें जिन्हें ससुराल व अन्य स्तर से प्रताणित किये जाने पर शिकायती प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हेतु महिला कल्याण विभ. ाग द्वारा 181 महिला हेल्प लाइन की सुविधा के अन्र्तगत जनपद में आपकी सखी उ0प्र0 रानी लक्ष्मी बाई आशा ज्योति केन्द्र/वन स्टॉप सेन्टर, संक्रामक रोग अस्पताल नियर गोल चैराहा, कानपुर नगर में संचालित है। आपकी सखी उ0प्र0 रानी लक्ष्मी बाई आशा ज्योति केन्द्र/वन स्टॉप सेन्टर में महिलाओं के साथ मारपीट, घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, रास्ते में लड़कियो के साथ छेड़छाड़, बा. लात्कार, दहेज उत्पीड़न, परामर्श, चिकित्सीय सुविधा, तत्काल पुलिस सहायता, विधिक सहायता, रेस्क्यू वैन, पुलिस रिर्पोटिंग चैकी आदि निम्नलिखित पीड़िताओं को सुविध ाायें प्रदान की जाती है।

उ0प्र0 रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना में जनपद कानपुर नगर में अब तक 85 पीड़िताओं का प्रस्ताव भुगतान हेतु शासन को प्रेषित किया गया है जिसके सापेक्ष 73 लाभार्थियों को धनराशि का अन्तरण उ0प्र0 शासन स्तर से हो चुका है। इस योजना के अन्तर्गत ऐसी महिलायें जिनके साथ जघन्य अपराधों के अन्तर्गत धारा 326 ए, 304 बी, 376 ए, 376 सी, 376 डी, धारा 04 पाक्सो, ध ारा 06 पाक्सो, धारा 14 पाक्सो एवं धारा 4/6 of POCSO Read with Section 302 प्ब के अन्तर्गत रू0 3,00,000/– से 10,00,000/– तक की क्षतिपूर्ति देने का प्राविधान है।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में गठित जिला संचालन समिति के अनुमोदन उपरान्त क्षतिपूर्ति दिये जाने का प्राविधान प्राविधानित है।

यूपी में कोरोना के 4703 नए मामले,88मरीजों की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सोमवार को कोविड–19 के 4703 नए मामले आए तथा 88 और मरीजों की मौत हो गयी। राज्य में संक्रमण के नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 3,58,893 हो चुकी है । अपर मुख्य सचिव (चि. कित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को बताया कि कोविड–19 के 4,703 नये मामले सामने आये हैं जबकि अब तक 5,135 रोगियों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि 2,89,594 मरीज ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पतालों से छुटटी मिल चुकी है। प्रदेश में 64,164 संक्रमित मरीजों का उपचार चल रहा है। इनमें से 33 हजार से ज्यादा लोग होम आइसोलेशन में हैं। 3822 लोग निजी चिकित्सालयों में भुगतान के आधार पर इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को उत्तर प्रदेश में एक लाख 35 हजार नमूनों की जांच की गयी। राज्य में रविवार को पूरे प्रदेश में एक लाख 35 हजार 990 सैंपल्स की जांच की गई है। अब तक 86 लाख से अधि ाक नमूनों की जांच हो चुकी है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने प्रतियोगी युवाओं से किया संवाद, कहा युवाओं के साथ हो रहा अन्याय

'भर्तियों में देरी, उन्हें अटकाना– भटकाना युवाओं के साथ अन्याय है: प्रियंका गाँधी'

दिल्ली / लखनऊ,

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गाँधी प्रतियोगी युवाओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करके उनका दर्द साझा कर रहीं हैं। महासचिव ने आज ग्राम विकास अधिकारी और दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों से बातचीत की। गौरतलब है कि ग्राम विकास अधिकारी(टक्) की परीक्षा 2018 में हुई थी लेकिन अभी तक प्रतिभागियों की नियुक्ति नही हुई है। दारोगा भर्ती 2016 से लटकी पड़ी है।

कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभ. ारी प्रियंका गाँधी ने बेरोजगार युवा प्रतिभागियों से ऑनलाइन संवाद के बाद अपने ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी भी शेयर की।

कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभ. ारी प्रियंका गाँधी ने ट्वीट करते करते हुए कहा कि ''युवा आक्रोश के बाद जागी यूपी सरकार आज बैठक कर भर्तियों पर विचार कर रही है। युवा जानना चाहते हैं कि सरकार गंभीर होकर प्रत्येक भर्ती के लिए सभी मसले सुलझ. ाकर नियुक्ति की पक्की डेडलाइन का ब्योरा रखेगी या नहीं? भर्तियों में देरी, उन्हें अटकाना–भटकाना युवा के साथ अन्याय है। यह बंद करिए।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने दूसरा ट्वीट करते हुए लिखा कि ''वीडीओ 2018 के युवा प्रतिभागियों से संवाद में उन्होंने बताया कि यह लोग परीक्षा दे चुके हैं, रिजल्ट आ चुका है लेकिन नियुक्ति नहीं मिली। सरकार नहीं बताती कि नियुक्ति क्यों रुकी है। भर्तियों पर हो रही सरकार की मीटिंग से इन्हें न्याय मिलना चाहिए।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने एसआई भर्ती के प्रतिभागियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के बादट्वीट करते हुए लिखा कि ''यूपी में एसआई भर्ती के लोगों से आज संवाद किया। एक बात कॉमन है कि सरकार की तरफ से न तो कोई साफ़ कम्युनिकेशन है और न ही कोई डेडलाइन। येनकेन प्रकारेण भर्ती प्रक्रिया फँस जाती है या फँसा दी जाती है। सरकार को युवाओं को रोजगार का हक देना चाहिए न कि यह चिंता कि कब मिलेगी उनके हक की भर्ती।

महासचिव प्रियंका गांधी से कफ़ील खान ने की मुलाकात

कांग्रेस ने चलाया था डॉक्टर कफ़ील की रिहाई के लिए अभियान

जेल से छूटने के बाद डॉक्टर कफ़ील खान ने आज कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी से मुलाकात की। डॉक्टर कफ़ील खान की जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस महासचिव ने कफ़ील खान और उनके परिजनों से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल लिया था और हर संभव मदद का वादा किया था।

दिल्ली में डॉक्टर कफ़ील खान अपने परिवार के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी से मुलाकात की। डॉक्टर कफ़ील के साथ उनकी पत्नी और बच्चे भी प्रियंका गांधी से मिले।

दिल्ली में हुई इस मुला. कात के वक्त यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और अल्पसंख्यक कांग्रेस के चेयरमैन लिए एक बड़ा अभियान चलाया था। पूरे सूबे में हस्ताक्षर अभियान, विरोध प्रदर्शन और पत्र लिखकर कांग्रेसियों ने डॉक्टर कफ़ील खान की रिहाई के लिए आवाज़ बुलंद की थी।

'कफ़ील खान ने अपने परिवार के साथ की कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात'

शाहनवाज आलम मौजूद थे।

यूपी में कांग्रेस पार्टी ने डॉक्टर कफ़ील की रिहाई के

बिजली के करेन्ट लगने से हुई युवक की मौत

प्रकाश शुक्ला

उन्नाव तहसील बीघापुर के अंतर्गत पाटन में धानी खेड़ा रोड में आरके इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है वही उनका निवास है। बाथरूम में अंकित कुमार स्नान कर रहा था बाथरूम में कहीं से विद्युत करंट आ जाने से उसके करंट लग गया। जिससे उसे तुरंत घर वालो ने अंकित कुमार पटेल को तुरंत पाटन स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।वहां उसे डॉक्टरों द्वारा मृतक घोषित कर दिया गया। अंकित पटेल की उम्र 20 वर्ष थी।

जन विरोधी नीतियों के खिलाफ भागीदारी संकल्प मोर्चा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

जिला कानपुर नगर में भागीदारी संकल्प मोर्चा के तत्वाधान में जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू सिंह कुशवाहा के निर्देश पर केंद्र व राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ एस डी एम को ज्ञापन सौंपा इस मौके पर प्रदेश महासचिव महिला प्रकोष्ट किरण कुशवाहा , कल्याणपुर विधानसभा अध्यक्ष विमल कुशवाहा , अविनाश कुशवाहा बिधान सभा अध्यक्ष युवा प्रकोष्ट , इंद्र पाल कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष कानपुर नगर, मनोज कुशवाहा जिला सलाहकर कानपुर नगर ,सी0 पी0 कुशवाहा जिला कोषाध्यक्ष कानपुर नगर ,उमा कुशवाहा जिला महिला प्रभारी कानपुर नगर, सर्बेश कमल बिधान सभा अध्यक्ष महाराजपुर ,महेश कुशवाहा सक्रिय सदस्य ,सरदार के0 डी0 सिंह आदि समर्थक उपस्थित रहे।

बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर समाजवादी छात्र सभा के पदाधिकारियों ने किया अनोखा प्रदर्शन

कानपुर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था, हत्या, बलात्कार ,डकैती ,व किसान की समस्या और निर्दोष लोगों को छै। लगा कर जेल में डालना जैसे आज़म खान इन सब बातों के विरोध में एक विशाल धरना प्रदर्शन किया जिसमे समाजवादी छात्रसभा ने अनोखे अंदाज में विरोध किया छात्रसभा अध्यक्ष सिराज हुसैन व महामंत्री देवेंद्र सिंह मोहित गले में हाथ और पैरों में बेड़िया पहन कर प्रदर्शन किया। और लोकतंत्र आज़ाद करो और आजम खान को आज़ाद करो के नारे लगाए।

भ्रष्टाचार और सरकारी उत्पीड़न में वृद्धि,एवं बेहाल किसान, तथा बेरोजगारी और ध्वस्त कानून व्यवस्था को लेकर समाज वादी पार्टी ने किया जोरदार प्रदर्शन

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी बहराइच के तमाम कार्यकर्ताओं ने तहसील स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है/ये प्रदर्शन भाजपा सरकार में फैली अनियमितता , भ्रष्टाचार और सरकारी उत्पीड़न में वृद्धि,एवं बेहाल किसान,तथा बेरोजगारी और ध्वस्त कानून व्यवस्था के विरोध में किया जा रहा है सपा विधायक यासर साह के नरेतृत्व में समाजवादी पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुँच कर नारेबाजी करते हुए जमकर विरोध किया/ इस दौरान विधायक यासर साह ने कहा कि आज भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है श्रमिकों के साथ खिलवाड़ किया गया है प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है पूरे प्रदेश में अराजकता फैली हुई है पुलिस गुंडागर्दी करने पर आतुर है ऐसे में आम जनता के सामने अब केवल समाजवादी पार्टी ही एक विकल्प बची है विधायक यासर शाह ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब प्रदेश में फिर लोग साइकिल की सवारी करेंगे

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बारिश में क्षतिग्रस्त हुई सड़कें दीपावली तक पहले जैसी हो जाएंगी : नितिन पटेल

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज स्पष्ट किया कि बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई राज्य की सभी सड़कें नवरात्रि से दीपावली तक पहले की तरह हो जाएंगी। विधानसभा में नवसारी जिले में सड़क से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में नितिन पटेल ने कहा कि 6.5 करोड़ की गुजरात की जनता का प्रतिनिधित्व करने वाली हमारी सरकार पारदर्शी है और राज्य के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा नैतिक दायित्व हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 125 प्रतिश से अधिक बारिश हुई है और उसकी वजह से काफी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बारिश थमते ही ऐसी सड़कों के पेचवर्क, डामर समेत मरम्मत काम तेजी से किए जाएंगें। जहां बारिश थम गई है वहां की सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया हैं ृ। इसी प्रकार नेशनल हाईवे भी बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुए हैं और उसका सर्वे कर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया हैं। नितिन पटेल ने कहा कि कोरोना काल में श्रमिकों की कमी की वजह से भी काम में विलंब हो रहा हैं। इसके अलवा राज्य के कई हिस्सों में आज भी बारिश हो रही हैं। ऐसे हिस्सों में बारिश के थमते ही सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। सरकार का चरणबद्ध तरीके से सड़कों का कार्य पूर्ण करने का आयोजन हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तायुक्त सड़कों का निर्माण हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाता हैं। इसी प्रकार निविदा प्रक्रिया भी पारदर्शिता से ऑनलाइन की जाती हैं। जिसमें तीन साल में यदि सड़कों को नुकसान होता है तो उसकी मरम्मत की जिम्मेदारी कोन्ट्रेक्टर की होतीं।

मेम्को ब्रिज के नीचे हुई हत्या के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद शहर के मेम्को ब्रिज के नीचे दो दिन पहले एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पु. लिस ने पांच शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में दो नाबालिग हैं। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के मेम्को ब्रिज के नीचे गत 18 सितंबर को एक युवक का लहू से लथपथ शव मिला था।युवक की तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई थी। मामले की जांच कर रही पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए अमरेश चौहाण, रमेश कुशवाहा और विनोद शर्मा समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में 2 नाबालिग हैं। जांच में पता चला कि रामलखन नामक युवक मानसिक रूप से बीमार था और छह महीने पहले इलाज के लिए अहमदाबाद के मेघाणीनगर में रहनेवाली अपनी बहन के यहां आया थां। 18 सितंबर को रामलखन कपड़ों का बैग लेकर अपने घर जाने को रवाना हुआ थां। लेकिन देर रात तक रामलखन के घर नहीं पहुंचने पर उसकी खोजबीन शुरू की गईद्य इस दौरान शहर के मेम्को ब्रिज के नीचे रामलखन की लहू से लथपथ लाश बरामद हुई। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है

12 कर्मचारियों कोरोना संक्रमित पाए जाने पर पेट्रोल पंप बंद किया गया

सूरत समेत राज्यभर में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। सूरत, अहमदाबाद और राजकोट में स्थिति दिन ब दिन गंभीर होती जा रही हैद्य राज्य में कोरोना का आंकड़ा 1.23 लाख को पार कर गया है और रोजाना 1400 से ज्यादा नए केस सामने आ रहे हैं। सूरत के एक पेट्रोल पंप पर एक साथ 12 कर्मचारियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पेट्रोल पंप को बंद कर दिया गया। दरअसल सूरत महानगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप के 884

कर्मचारियों रेपिड एन्टीजन टेस्ट किया गया था। जिसमें सूरत के अठवा जोन के उधना–मगदल्ला रोड पर गांधी कुटिर के निकट स्थित ट्रोल पंप के 126 में 12 कर्मचारियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पेट्रोल पंप को बंद कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने सदन में 3,700 करोड़ के पैकेज की घोषणा की

लगभग 27 लाख किसानों को मिलेगा फसल नुकसान सहायता का लाभ

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने विधानसभा में सदन के नेता के तौर पर चौदहवीं विधानसभा के सातवें सत्र के पहले दिन सोमवार को नियम–44 के अंतर्गत अपने नि. वेदन में राज्य के किसानों को इस वर्ष खरीफ सीजन में भारी बारिश के चलते हुए फसल नुकसान की भरपाई के लिए 3,700 करोड़ रुपए के उदार आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की यह किसान हितैषी सरकार हमेशा किसानों के संकट में, उनके मुश्किल वक्त में साथ खड़े रहने वाली संवेदनशील सरकार है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि मौजूदा वर्ष के अगस्त महीने में राज्य की कई तहसीलों में भारी वर्षा के कारण खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान की भरपाई के लिए सहायता देने के संबंध में राज्य के किसान, किसान संगठनों और जनप्रतिनिधियों द्वारा राज्य सरकार के समक्ष रखी गई बात पर संवेदनशील प्रतिक्रिया देते हुए यह पैकेज दिया है। मुख्यमंत्री ने सदन में नियम–44 के अंतर्गत अपने निवेदन में कहा कि'राज्य में मौजूदा वर्ष में मानसून की शुरुआत समय पर और अच्छी हुई थी। शुरुआती चरण में खेती के अनुकूल उपयुक्त बारिश हुई थी और राज्य के सभी जिलों में बेहतर पैदावार की परिस्थिति थी। लेकिन अगस्त महीने के दौरान राज्य की कई तहसीलों में भारी बरसात हुई और उसके चलते खेतों में पानी भरने के कारण फसलों को नुकसान पहुंचने की सूचना है।' इसके अलावा, किसान, किसान संगठनों और जनप्रतिनिधियों की ओर से भी इस मुद्दे को लेकर मुख्य रूप से मूंगफली, कपास, ध ाान, तिल, बाजरा, दलहन और सब्जी आदि फसलों को नुकसान पहुंचने की बात कही गई है। राज्य सरकार ने कई मौकों पर यह घोषणा की है कि राज्य के किसानों को 33 फीसदी या उससे अधिक फसल का नुकसान होने पर राज्य सरकार सहायता देने पर विचार करेगी। वर्ष 2018–19 में जब सूखे जैसे हालात थे, तब राज्य की 51 तहसीलों को सूखाग्रस्त और 45 तहसीलों को सूखा प्रभावित घोषित कर किसानों को हुए फसल नुकसान में मदद के लिए सहायता देने का निर्णय लिया था। वर्ष 2019–20 में भी राज्य में बेमौसम बारिश के कारण हुए फसल नुकसान की स्थिति में राज्य के सभी किसानों का समावेश करते हुए 3,795 करोड़ रुपए के ऐतिहासिक 'कृषि सहायता पैकेज' की घोषणा की थी। अब,

खरीफ फसल को भारी वर्षा से हुए नुकसान के लिए राज्य सरकार का सहायता पैकेज

मौजूदा वर्ष में भी खरीफ सीजन में कई तहसीलों में 19 सितंबर, 2020तक हुए नुकसान के संबंध में कृषि विभाग की ओर से किए गए सर्वे के आकलन के संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा विचार करने के बाद राज्य के 20 जिलों की 123 तहसीलों के लगभग 51 लाख हेक्टेयर से अधिक बुवाई के रकबे में से सहायता के मानदंडों के अनुसार करीब 37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र सहायता के पात्र होगा। इसके लिए 3,700 करोड़ रुपए का सहायता पैकेज राज्य के किसानों को पहुंचे नुकसान में मदद के लिए घोषित किया है। जिसमें 33 फीसदी या उससे अधिक के फसल नुकसान के मामले में अधिकतम 2 हेक्टेयर के लिए 10,000 रुपए प्रति हेक्टेयर के अनुसार सहायता का भुगतान किया जाएगा। यही नहीं, किसान खातेदार के पास कितनी भी कम जमीन क्यों न हो, तो भी उन्हें कम से कम 5,000 रुपए देने का निर्णय राज्य सरकार ने किया है। इस सहायता पैकेज से राज्य के लगभग 27 लाख किसानों खातेदारों को लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं, राज्य की अन्य तहसीलों में फसल नुकसान का आंकलन आने पर राज्य सरकार उस संबंध में भी विचार करेगी।

इस सहायता के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 1 अक्टूबर, 2020 से पोर्टल शुरू किया जाएगा, जिसमें ऑनलाइन आवेदन करने का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

गुजरात के नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्त को राज्यपाल ने दिलवायी शपथ

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अमृतभाई पटेल और डॉ. सुभाषचन्द्र सोनी को गुजरात

राज्य के सूचना कमिश्नर के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनिल मुकीम, राज्य के मुख्य सूचना कमिश्नर डीपी. ठाकर, राज्य सूचना आयुक्त, केएम. अध्वर्यु, रमेश कारिया और विरेन्द्र पंड्या, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दयानी, सचिव धनंजय त्रिवेदी सहित उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

सीटीएम क्षेत्र के डबल डेकर ब्रिज से एक और व्यक्ति ने लगाई मौत की छलांग

अहमदाबाद शहर के सीटीएम क्षेत्र स्थित डबल डेकर ब्रिज से कूदकर एक और व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली।

इसी ब्रिज से कूदकर रविवार को भी एक शख्स ने आत्महत्या की थी।

रविवार को पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा में रहने वाले कैंसर पीड़ित बुजुर्ग व्यक्ति ने सीटीएम के डबल डेकर ब्रिज से कूदकर जान दी थी।

उसी ब्रिज से सोमवार को एक और व्यक्ति ने मौत की छलांग लगा दी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

खबर मिलते ही ट्रैफिक पुलिस समेत रामोल पुलिस घटना. स्थल पर पहुंच गई और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

गुजरात फोरेंसिक सायंस यूनिवर्सिटी को मिला राष्ट्रीय दर्जा : गृह राज्यमंत्री

गुजरात के गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने बताया कि, गुजरात के सपूत और देश के प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान 'गुजरात फॉरेन्सिक साइन्सेज़ युनिवर्सिटी' की स्थापना की थी जिसका उद्देश्य गुजरात में फॉरे. न्सिक सायन्स का विस्तार बढ़ाना था। तब से लेकर अब तक इस युनिवर्सिटी ने देश–विदेश में अपने कार्यो के माध्यम से कई ख्यातियां अर्जित की हैं। इसके परिणामस्वरूप, केन्द्र सरकार ने गुजरात की इस युनिवर्सिटी को केन्द्रीय युनिवर्सिटी का दर्जा देने का निर्णय किया है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी ने इसके लिए आज लोकसभा में बिल प्रस्तुत किया और इस बिल को लोकसभा में पास कर दिया गया है। यह सभी गुजरातवासियों के लिए बहुत ही गर्व की बात है। इस युनिवर्सिटी के लिए केन्द्र सरकार 100 प्रतिशत ग्रान्ट आवंटित करेगी और युनिवर्सिटी का हेड क्वार्टर गांधीनगर रहेगा। केन्द्र सरकार के इस महत्वपूर्ण के निर्णय के लिए गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। जाडेजा ने आगे कहा कि, राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए और उन्हें त्वरित न्याय मिल सके इसके लिए विभिन्न अभिनव पहलों की शुरुआत की है। ऐसे में यह युनिवर्सिटी देश और दुनिया में क्राइम के तरीकों को समझने और क्राइम को रोकने में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि, आजके डिजिटल युग में फॉरेन्सिक सायन्स जैसे विषय पर नेशनल इम्पोर्टन्स वाली संस्था हमारे राज्य में है, जिसका प्रमुख कार्यक्षेत्र प्रिवेन्शन ऑफ क्राईम, क्राईम का तेज़ी से इन्वेस्टिगेशन और जस्टिस डिलिवरी सिस्टम को मज़बूत बनाने के लिए रिसर्च और ट्रेनिंग करना है। युनिवर्सिटी के विकास को लेकर अब तक. ुजरात सरकार ने जो प्रतिबद्धता दिखाई है यह उसका परिणाम है कि आज इस युनिवर्सिटी को केंद्रीय युनिवर्सिटी का दर्जा दे दिया गया है। केंद्रीय दर्जा प्राप्त करने के बाद इस युनिवर्सिटी से जुड़े देश–विदेश के स्टेकहोल्डर्स को और अधिक लाभ मिलेगा। जाडेजा आगे ने कहा, गुजरात फॉरेन्सिक साइन्सेज़ युनिवर्सिटी की स्थापना का मूल उद्देश्य देश

केन्द्र सरकार 100 प्रतिशत ग्रांट देगी गांधीनगर में होगा मुख्यालय

और दुनिया मे फॉरेन्सिक सायन्स के विशेषज्ञों की कमी को पूरा करना था। फॉरेन्सिक सायन्स के विशेषज्ञों की अपर्याप्त संख्या और क्राईम इन्वेस्टिगेशन एवं जस्टिस डिलिवरी सिस्टम पर होने वाले उसके प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इसके लिए एक अलग संस्था का होना बहुत ही ज़रूरी था। इस युनिवर्सिटी में फॉरेन्सिक सायन्स और उससे संलग्न अन्य विषय जैसे कि सायबर क्राइम, डिजिटल फोरेन्सिक, बीहेवियरल सायन्स आदि में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंध ाान और परामर्श कार्य उपलब्ध कराना है।

इस युनिवर्सिटी के केवल 10 के समय में एक्सपर्ट्स और ज्युडिशरी के सदस्यों को अपराध संशोधन व सिक्योरिटी से संबंधि. त विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण दिया गया है।

गुजरात फॉरेन्सिक सायन्स युनिवर्सिटी की भूमिका और योगदान को ध्यान में रखते हुए उसे केन्द्रीय स्तर पर आगे बढ़ाना पूरे देश के परिप्रेक्ष्य में ज़रूरी था। इसलिए प्रधानमंत्री श्री ने इस युनिवर्सिटी को केन्द्रीय युनिवर्सिटी का दर्जा देने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। क्ष्ठ के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा GFSU ने 58 देशों के साथ डव्न किये हैं, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण के बाद फॉरेन्सिक लैबोरेटरी की स्थापना के लिए भी इस युनिवर्सिटी के द्वारा मदद की जा रही है।

इसी प्रकार, देश के विभिन्न राज्यों के अलावा, बांग्लादेश, म्यांमार, मालदीव, ज़िम्बाब्वे, रव. ाण्डा, युगान्डा, त्रिनीदाद और टोबेगो जैसे देशों में ऑफ शोर (off&shore) कैम्पस की स्थापना करने के अनुरोध इस युनिवर्सिटी के पास आते हैं। इस युनिवर्सिटी में ऑफ कैम्पस सेन्टर एवं विदेश में ऑफ शोर कैम्पस की स्थापना की जा सकेगी, जिसके कारण देश और दुनिया में फॉरे. न्सिक सायन्स की शिक्षा, अनुसंध ाान, प्रशिक्षण और परामर्श कार्य को बढ़ाने में यह संस्था मील का पत्थर साबित होगी।

इस युनिवर्सिटी का हेड क्वार्टर गांधीनगर स्थित गुजरात फा. ॅरेन्सिक सायन्स युनिवर्सिटी ही रहेगी। उन्होंने कहा कि, इस युनिवर्सिटी को विभिन्न केन्द्रीय सं. स्थाओं, केन्द्र सरकार के अन्य विभ. ागों और विदेशी संस्थाओं से फंडेड रीसर्च व कन्सल्टन्सी प्रोजेक्ट्स प्राप्त करने में आसानी होगी। इस युनिवर्सिटी का इन्फ्रास्ट्रक्चर इस प्रकार तैयार किया गया है कि, यह संस्था देश की अन्य सभी फॉरेन्सिक सायन्स लैबोरेटरी की कैपेसिटी बिल्डिंग में वृद्धि करने में भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री जाडेजा ने अपने संबोधन के अंत में कहा, गुजरात फॉरेन्सिक साइन्सेज़ युनिवर्सिटी को यह विशिष्ट दर्जा मिलने से युनिवर्सिटी के कार्यक्षेत्र का विस्तार देश और दुनिया में बढ़ेगा, जिसके कारण सभी स्तर पर प्रिवेन्शन ऑफ क्राईम, क्राईम इन्वेस्टिगेशन में तेज़ी और जस्टिस डिलिवरी सिस्टम से संबंधित अनेक कार्य तेज़ी से हो सकेंगे। इस वजह से गुजरात में और देश में भीज़ीरो टॉलरन्स व अपराध के रोकथाम के लिए हमारी नीति को बल मिलेगा। गुजरात स्थित यह शिक्षा संस्था समग्र देश में एकमात्र प्रमुख संस्था के तौर पर फॉरेन्सिक सायन्स के विषय का नेतृत्व करेगी। देश–दुनिया में फॉरेन्सिक सायन्स क्षेत्र में अभ्यासक्रमों और संशोधनों में वृद्धि होने से गुजरात का नाम वैश्विक स्तर पर और प्रबलता से प्रस्थापित होगा।

कोरोना से निपटने के सभी उपाय जारी, कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार की ओर से हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। गुजरात विधानसभा का पांच दिवसीय सत्र प्रारंभ होने

से पहले मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में राज्य सरकार ने बेहतरीन कार्यवाही की है और संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

कांग्रेस विधायकों द्वारा कोरोना काल में सरकार की कार्यवाही पर उठाए गए सवाल के जवाब में विजय रूपाणी ने कहा कि कांग्रेस के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है जिससे सरकार कोई मुश्किल हो। आज से प्रारंभ हुए विधानसभा सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सदन में शोक प्रस्ताव पेश किया।

जिसमें पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी, पूर्व मंत्री लीलाधर वाघेला, पूर्व मंत्री गीगाभाई गोहिल समेत 8 सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई। सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस के दो विधायक कोरोना काल में निष्फल सरकार के बैनरों के साथ विधानसभा परिसर में प्रवेश किया। कांग्रेस विधायक ग्यासुद्दीन शेख ने कहा कि कोरोना काल में सरकार काम करना चाहिए और जुर्माना वसूली बंद करनी चाहिए।

क्षमता से अधिक यात्रियों से भरी बस पलटी, 100 से ज्यादा लोग घायल

महीसागर रविवार देर रात जिले के पढारिया गांव के निकट क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जा रही प्राइवेट बस के अचानक पलटने से कोहराम मच गया। इस घटना में महिला और बच्चों समेत 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को लूणावाडा और गोधरा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक रविवार की रात दा. होद के संजेली से 100 से ज्यादा श्रमिकों को लेकर निजी ट्रावेल्स की बस जामनगर के कालावड की ओर रवाना हुई थी। रात करीब 10 बजे क्षमता से अधिक यात्रियों से भरी महीसागर जिले की संतरामपुर तहसील के पढारिया गांव के निकट से गुजर रही थी। उस वक्त ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बस पलटी खा गई। बस के पलटते ही उसमें सवार श्रमिकों में कोहराम मच गया। चीखपुकार सुनकर आसपास

के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। खबर मिलते ही पुलिस और एम्ब्युलैंस घटनास्थल पर पहुंच गई। इस हादसे में महिला और बच्चों समेत 100 से अधिक लोग हो गए। जिसमें चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। कुछ घायलों को महीसागर के लूणावाडा के सिविल अस्पताल में और अन्य को गोधरा के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। 50 यात्रियों की क्षमता वाली बस में कोरोना काल में 30 यात्रियों को बिठाने का नियम है। इसके बावजूद बस में 100 से ज्यादा यात्रियों को बिठाया गया। जिसमें 70 से ज्यादा बस में और 30 लोग छत पर सवार थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)